KANHA BOOKS International

Teacher's Manual

नंदिनी

(हिंदी पाठ्य-पुस्तक)

कक्षा-8

Vidyalaya Prakashan

An ISO 9001 : 2008 Certified Company
(Publishers of Quality Educational Books)

विषय-सूची

1.	किसको नमन करूँ मैं	3
2.	लाख की चूड़ियाँ	5
3.	भारत और भारतीय संस्कृति	8
4.	माँ! मुझे आने दे!	11
5.	नीलकंठ	14
6.	दिव्यांग व्यक्तित्व	17
7.	सूरदास के पद	20
8.	भिखारिन	23
9.	क्या निराश हुआ जाए	27
10.	वर्षा बहार	31
11.	उखड़े खंभे	33
12.	जीवन नहीं मरा करता है	36
13.	नमक का दरोगा	40
14.	पिता के नाम	43
15.	सुदामा चरित	46
16.	साइकिल की सवारी	49
17.	पौधों की पीढ़ियाँ	53

Vidyalaya Prakashan

An ISO 9001 : 2008 Certified Company
(Publishers of Quality Educational Books)

Sales Office
C-24, Jwala Nagar, Transport Nagar, Meerut-250002
Ph. : 0121-2400630, 8899271392

Head Office
A-102 Chander Vihar, Delhi-110092
e-mail : vidyalayaprkashan@yahoo.in

1 किसको नमन करूँ मैं

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (ब) भारत को (ख) (स) शांति का

(ग) (अ) सत्य (घ) (स) समुद्र

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) कवि ने भारत को स्थान का वाचक नहीं माना अर्थात भारत केवल अपने स्थान के लिए नहीं जाना जाता बल्कि यहाँ के मनुष्यों के गुणों के कारण जाना जाता है।

(ख) कवि ने भारत की एकता को अखंडित बताया है अर्थात कभी न टूटने वाली एकता है।

(ग) संसार में जहाँ कहीं भी शांति का उद्घोष होता है, उसे कवि ने भारत का स्वर इसलिए कहा है क्योंकि भारत के लोग हिंसा में विश्वास नहीं रखते बल्कि अन्य देशों के साथ मैत्री और प्रेम का भाव रखते हैं।

(घ) भारत के वीर न्याय के लिए अपने प्राण अर्पित कर देते हैं।

(ङ) कवि भारत को तथा भारत में मिलने वाले समुद्र, पहाड़ तथा वन को, जन्मभूमि की वंदना या प्रार्थना को, प्रत्येक भारतवासी को तथा मानवता के चंदनयुक्त मस्तक को नमस्कार करना चाहता है।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) 'देह या मन को नमन करूँ मैं' इस पंक्ति में 'देह' और 'मन' से कवि का आशय है कि वह अपने देश के प्रति अपने तन (देह) तथा मन को समर्पित करना चाहता है। वह अपने विचारों और अपने कार्यों से अपने देश के प्रति अपनी भावना को व्यक्त करना चाहता है।

(ख) कविता में कवि ने भारत देश के गौरव का गुणगान किया है। भारत केवल अपने स्थान के लिए नहीं जाना जाता बल्कि यहाँ के जो मनुष्य हैं उनके गुणों के कारण जाना जाता है अर्थात भारत की संपूर्ण धरती गुणों से भरी

है तथा सभी एक-दूसरे से नैतिक व्यवहार करते हैं। यहाँ चारों ओर प्रेम एवं एकता का स्वर विराजमान है तथा इसकी एकता कभी टूटने वाली नहीं है। मैत्री भाव के कारण ही देश उन्नति करता चला जा रहा है। यहाँ के वीर जवान हमेशा सच्चाई पर अडिग रहते हैं तथा वे किसी भी भलाई या न्याय के लिए अपने प्राण देने में पीछे नहीं हटते।

(ग) कवि भारत के महान गुणों को देखकर भारत को नमन करना चाहता है। भारत का विश्व के साथ मित्रता का भाव, भारतीयों की एकता एवं प्रेम, यहाँ की संस्कृति तथा प्रकृति तथा भारतीय वीरों के बलिदान, सत्य एवं त्याग को देखते हुए कवि भारत को नमन करना चाहता है।

(घ) कवि के अनुसार जिस किसी ने भी धर्म-दीप को अपने हाथों में धारण कर लिया है, वह भारतवासी है क्योंकि धर्म दीप अन्याय के एवं अज्ञान के अँधेरे को खत्म करते हैं और भारतवासी अधर्मी नहीं हैं, वे धर्मनिष्ठ तथा धर्मप्रिय है। अतः धर्म-दीप को अपने हाथों में धारण करने वाले भारतवासी ही हो सकते हैं।

(ङ) कवि ने मानवता के 'ललाट का चंदन' वीर जवानों के माथे पर लगे तिलक को कहा है क्योंकि वह वीर माथे पर तिलक लगाकर सच के मार्ग पर चलते हैं तथा न्याय का पालन करते हुए अपने प्राणों का त्याग करने जाते हैं।

4. कविता की निम्नलिखित पंक्तियों का सरलार्थ लिखिए–

(क) कवि कह रहे हैं कि पूरे संसार में भारत केवल अपने स्थान के लिए ही नहीं जाना जाता है बल्कि यहाँ के जो मनुष्य हैं, उनके गुणों के कारण जाना जाता है अर्थात भारत की संपूर्ण धरती गुणों से भरी है और सभी एक-दूसरे के साथ नैतिक व्यवहार करते हैं। यहाँ चारों ओर प्रेम एवं एकता विराजमान है तथा इसकी एकता कभी टूटने वाली नहीं है। भारत देश का प्रत्येक कोना सूर्य के समान दिखाई देता है।

(ख) प्रस्तुत पंक्तियों का सरलार्थ है कि कवि कहते हैं कि जहाँ-जहाँ से शांति की आवाज़ उठती है, भारत देश वह आवाज़ तेरी है। भारत के हर मनुष्य के हाथ में धर्म रूपी दीया है। भारत देश के वीर जवान हमेशा सच्चाई पर अडिग रहते हैं तथा वे किसी की भलाई या न्याय के लिए अपने प्राण देने में पीछे नहीं हटते।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए–

नदीश– न् + अ + द् + ई + श् + अ

प्रेम– प् + र् + ए + म् + अ

अखंडित– अ + ख् + अ + न् + ड् + इ + त् + अ

स्वर– स् + व् + अ + र् + अ

वंदन– व् + अ + न् + द् + अ + न् + अ

विश्व– व् + इ + श् + व् + अ

चंदन– च् + अ + न् + द् + अ + न् + अ

धर्म– ध् + अ + र् + म् + अ

2. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए–

गुण	अवगुण	शांति	अशांति
एकता	अनेकता	वीर	कायर
प्रेम	घृणा	मानवता	दानवता

3. निम्नलिखित तत्सम शब्दों शब्दों के तद्भव रूप लिखिए–

वन	बन	सत्य	सच
धर्म	धरम	दीप	दीया
ललाट	लिलार		

2 लाख की चूड़ियाँ

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (अ) नीम का (ख) (अ) काका

(ग) (अ) बदलू की बेटी (घ) (ब) ज़मींदार की बेटी के लिए

2. सही कथन के लिए सत्य तथा गलत कथन के लिए असत्य लिखिए–

(क) सत्य (ख) असत्य

(ग) असत्य (घ) सत्य

(ङ) असत्य

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) लेखक को अपने मामा के घर जाने का सबसे बड़ा चाव यह था कि जब वह वहाँ से लौटता था तो उसके पास ढेर सारी लाख की रंग-बिरंगी गोलियाँ होती थीं जो किसी भी बच्चे का मन मोह लें।

(ख) लेखक बदलू को 'बदलू काका' कहता था क्योंकि गाँव के सभी बच्चे उसे काका कहा करते थे।

(ग) विवाह के अवसर पर बदलू जिद पकड़ लेता था जीवनभर चाहे कोई उससे मुफ्त चूड़ियाँ लें जाए परंतु विवाह के अवसर पर वह सारी कसर निकाल लेता था। विवाह में उसके बनाए हुए इसी जोड़े का मूल्य इतना बढ़ जाता था कि उसके लिए उसकी घरवाली को सारे वस्त्र मिलते, ढेरों अनाज मिलता, उसको अपने लिए पगड़ी मिलती और रुपये भी अलग से मिलते थे।

(घ) किसी भी स्त्री के हाथों में काँच की चूड़ियों को देखकर बदलू अंदर-ही-अंदर कुढ़ उठता और कभी-कभी तो दो-चार बातें भी सुना देता था।

(ङ) बदलू को लाख की चूड़ियाँ बनाने का अपना व्यवसाय इसलिए बंद करना पड़ा क्योंकि गाँव-गाँव में काँच की चूड़ियों का प्रचार हो गया था तथा मशीनी युग में सभी काम मशीन से होने लगे थे तथा जो सुंदरता काँच की चूड़ियों में थी वह लाख की चूड़ियों में नहीं थी।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) बदलू के मकान के सामने बड़ा-सा सहन था, जिसमें एक पुराना नीम का वृक्ष लगा था। उसी के नीचे बैठकर बदलू लाख की चूड़ियाँ बनाता था। एक दहकती भट्ठी में वह लाख पिघलाया करता था। सामने एक लकड़ी की चौखट पड़ी रहती थी। जिस पर लाख के मुलायम होने पर वह उसे सलाख के समान पतला करके चूड़ी का आकार देता था। पास में चार-छह विभिन्न आकार की बेलननुमा मुँगेरियाँ रखी रहती थीं, जो आगे से कुछ पतली और पीछे से मोटी होती थीं। लाख की चूड़ी का आकार देकर वह उन्हें मुँगेरियों पर चढ़ाकर गोल और चिकना बनाता था और तब

एक-एक कर पूरे हाथ की चूड़ियाँ बना चुकने के पश्चात वह उन पर रंग करता था।

(ख) बदलू की बनाई गई चूड़ियों की बहुत खपत थी क्योंकि वह बहुत ही सुंदर चूड़ियाँ बनाता था तथा वह कभी भी चूड़ियों को पैसों से बेचता नहीं था। उसका वस्तु-विनिमय का तरीका था और लोग अनाज के बदले उससे चूड़ियाँ ले जाते थे।

(ग) बरसात में लेखक के मामा की छोटी लड़की आँगन में फिसलकर गिर पड़ी और उसके हाथ ही काँच की चूड़ी टूटकर उसकी कलाई में घुस गई और उससे खून बहने लगा। लेखक के मामा उस समय घर पर नहीं थे। लेखक को ही उसकी मरहम-पट्टी करनी पड़ी। इस घटना ने लेखक को अचानक बदलू की याद दिला दी।

(घ) बदलू लाख की चूड़ियाँ बेचा करता था परंतु जैसे-जैसे काँच की चूड़ियों का प्रचलन बढ़ता गया। उसका व्यवसाय ठप पड़ने लगा। अपने व्यवसाय की दुर्दशा की व्यथा को ही बदलू लेखक से छिपा न सका।

(ङ) 'मशीनी युग ने कितने हाथ काट दिए हैं।' इस पंक्ति में लेखक ने कारीगरों की व्यथा की ओर संकेत किया है जो हाथ से बनी वस्तुओं से अपना जीवनयापन करते हैं। आज के मशीनी युग ने उन कारीगरों के हाथ काटकर उनकी रोटी ही छीन ली है क्योंकि उनके काम-धंधे छिन गए। मशीनी युग ने ऐसे लोगों को बेरोजगार बना दिया है।

(च) बदलू ने जमीदार साहब को चूड़ियाँ नहीं दी थीं क्योंकि वह उन चूड़ियों के केवल दस आने पैसे दे रहे थे जो कि बदलू के हिसाब से बहुत कम थे। इसलिए उसने ज़मींदार साहब को चूड़ियाँ नहीं दीं और कहा कि शहर से ले आओ।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित गाँव की बोली के शब्दों को उनके शुद्‌ध रूप में लिखिए तथा उनके अर्थ भी लिखिए–

मरद	मर्द- पुरुष
बख्त	वक्त- समय
उमर	उम्र- आयु
फबना	सुंदर दिखना - शोभा देना

लला	लल्ला- बालक
दस आने	दस पैसे- पुराने समय में उपयोग में आने वाले पैसे

2. निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थान पर विराम-चिह्न लगाइए–

(क) ''नमस्ते बदलू काका!'' मैंने कहा।

(ख) उसने मेरी शंका भाप ली और बोला, ''दमा नहीं है मुझे।''

(ग) ''गाय तो अच्छी है न काका?'' मैंने पूछा।

(घ) गाय कहाँ है, लला! दो साल हुए बेच दी।

(ङ) वाह-वाह! वह हँस पड़ा।

3. पाठ में से तीनों प्रकार की संज्ञाओं के उदाहरण ढूँढ़कर लिखिए–

व्यक्तिवाचक संज्ञा– बदलू	रज्जो	नीम
जातिवाचक संज्ञा– गाँव	मामा	स्त्रियाँ
भाववाचक संज्ञा– रुचि	व्यथा	बीमार

4. वचन बदलिए–

एकवचन	**बहुवचन**	**एकवचन**	**बहुवचन**
गोली	गोलियाँ	स्त्री	स्त्रियाँ
चूड़ी	चूड़ियाँ	लड़की	लड़कियाँ
सड़क	सड़कें	कलाई	कलाइयाँ
गाय	गायें	छुट्टी	छुट्टियाँ
महीना	महीने	नस	नसें

3 भारत और भारतीय संस्कृति

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (स) ऋतुओं की   (ख) (स) (अ) व (ब) दोनों

(ग) (अ) संग्रहवृत्ति पर   (घ) (स) समृद्ध

2. रिक्त स्थान भरिए–

(क) निराली (ख) विविधताएँ

(ग) गुरुद्वारों (घ) अस्तित्व

(ङ) साहित्य

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) भारत को अनोखा देश इसलिए कहा गया है क्योंकि यहाँ जो चीज़ें देखने को मिलती हैं, वे कहीं ओर देखने को नहीं मिलतीं।

(ख) भारत की धरती के नीचे कोयला, हीरा, चाँदी-सोना, गैस और तेल पाया जाता है।

(ग) अनेक विविधताओं और भिन्नताओं के बावजूद भारत अभी तक कायम है, यह देख-जानकर लोगों को आश्चर्य होता है।

(घ) भारतीय संस्कृति का मूल आधार है– 'समन्वय की भावना।'

(ङ) लेखक के अनुसार अहिंसा का अर्थ 'हिंसा को सहना' या 'उसके आगे सिर झुकाना नहीं'; बल्कि अहिंसा का अर्थ है 'हिंसा के आगे अहिंसक रहते हुए सक्रिय प्रतिरोध करना।'

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) भारतीय प्रकृति में विभिन्न विविधताएँ देखने को मिलती हैं। यहाँ बर्फ से ढके ऊँचे-ऊँचे पहाड़ हैं, तो छोटी पहाड़ियों की श्रृंखलाएँ भी हैं, उपजाऊ भूमि है तो दूर-दूर तक फैले रेगिस्तान हैं। यहाँ उछलते-कूदते झरने हैं तो हजारों मीलों तक निरंतर बहने वाली नदियाँ भी हैं, घने जंगल हैं और हरे-भरे खेत हैं। यहाँ क्रीड़ाभूमि ऋतुएँ भी समय-समय पर बदलती रहती है।

(ख) भारत की प्रमुख भाषाएँ हैं;– हिंदी, बँगला, उर्दू, तमिल, कन्नड़, मराठी, पंजाबी, असमियाँ, गुजराती, कोंकणी, मलयालम, आदि हैं तथा बोलियाँ–भोजपुरी, मैथिली, मगही-अवधी आदि हैं।

(ग) आक्रांताओं ने भारत को भरपूर लूटा, कत्लेआम किया, खून की नदियाँ बहाईं, चाहे वे मंगोल हों, मुगल हों, यूनानी हों या अंग्रेज-सभी ने मनमानी की, मंदिरों और मठों को ध्वस्त किया, लेकिन भारत का अस्तित्व वे मिटा न सके। यहाँ तक कि जिन भू-भागों को काटकर अलग

किया, वहाँ अभी भी भारतीयता कायम है। और तो और, जो लूटने और नष्ट करने आए थे, उनमें से बहुलांश यहीं रच-बस गए।

(घ) 'सर्वकल्याण की अवधारा में सभी समरस हो गए।' इस पंक्ति का आशय है कि भारत देश के लोगों के कल्याण के लिए यहाँ के महापुरुषों ने अहिंसा, करुणा, स्नेह और संतोष के आगे समर्पण किया।

(ङ) छात्र स्वयं करें।

व्याकरण-ज्ञान

1. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए–

(क) जो जीता न जा सके – अपराजेय

(ख) आक्रमण करने वाला – आक्रांता

(ग) आकाश को छूने वाला – गगनचुंबी

(घ) जो हर तरह से तृप्त हो – निहाल

(ङ) शायरी लिखने वाला – शायर

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

शब्द	**विलोम**	**शब्द**	**विलोम**
समृद्ध	दरिद्र	सुखी	दुखी
अहिंसा	हिंसा	प्रेम	घृणा
सक्रिय	निष्क्रिय	करुणा	क्रोध
समर्पण	प्रतिरोध	सुगंध	दुर्गंध

3. निम्नलिखित श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्दों के अलग-अलग अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए–

(क)	अंक	गिनती के अंक, संख्या	मेरी बहन ने दसवीं कक्षा में नब्बे प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे।
	अंग	शरीर का हिस्सा	बुखार होने के कारण मेरे शरीर के अंग-अंग में दर्द हो रहा है।
(ख)	बेर	एक फल	हमारे घर के सामने बेर का वृक्ष है।

	बैर	दुश्मनी	रोहित अपने बुरे स्वभाव के कारण सभी से बैर रखता है।
(ग)	मात्र	केवल	मात्र सौ रुपये में हमने पाँच किलो आम खरीद लिए।
	मातृ	माता से संबंधित, जननी	मातृ प्रेम में बहुत सुख मिलते हैं।
(घ)	मूल	वृक्ष की जड़	आदि मानव कंद-मूल खाते थे।
	मोल	कीमत	मैंने दुकानदार से चूड़ियों का उचित मोल लगवा लिया।

4 माँ! मुझे आने दे!

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (ब) एक अजन्मी बिटिया (ख) (ब) सन्नाटा

(ग) (अ) रोशनी-सा चमकीला (घ) (ब) घमंड

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) बेटी माँ के आँगन में हरियाली बनकर आना चाहती है क्योंकि इससे वह घर में खुशी, ताज़गी और जीवनदायिनी शक्ति लाएगी।

(ख) लड़की के पिता घमंडी स्वभाव के हैं और भाई का व्यवहार मनमानी करने वाला है।

(ग) बेटी के आ जाने से घर का रुखीला अहसास धुल जाएगा।

(घ) 'डर मत माँ............मुझे आने दे।' इस पंक्ति में माँ के उस डर की बात कही गई है जिसमें बेटी के होने को बोझ समझा जाता है।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) 'माँ! मुझे आने दे। कविता के द्वारा कवयित्री कहना चाहती है कि एक गर्भस्थ बेटी अपनी माँ से कहती है कि उसे बिना डरे दुनिया में आने दे क्योंकि वह उसके परिवार में खुशियाँ लाएगी। बेटी की किलकारियों और पैरों की आहट से घर का सूनापन दूर हो जाता है। बेटी माँ-बाप को हर तरह से खुश रखती है।यह कविता समाज की उस स्थिति के बारे में बताती है कि जहाँ लड़कियों के जन्म होने से पहले ही उनको गर्भ में मार दिया जाता है। अतः कवयित्री कहना चाहती है कि लड़कियों के साथ भेदभाव मत करो, उनकी भ्रूण हत्या नहीं करो क्योंकि वह भी बेटे के समान ही माँ-बाप को प्यार करती हैं तथा सम्मान देती हैं। बेटी भी माँ-बाप का नाम रोशन करती है।

(ख) बेटी माँ के आँगन में हरियाली बनकर फैलना चाहती है। वह माँ के आँचल में खुशबू बनकर लिपटना चाहती है तथा माँ के माथे की सिलवटों में सिमटे अंधेरे को पोंछ देना चाहती है। वह माँ की ज़िंदगी में खुशियाँ और रोशनी लाना चाहती है।

(ग) बेटी अपने भाई के जिद्दीपन के दुख से माँ को दूर रखकर उसे खुश रखेगी और अपनी किलकारियों और ठुमकते कदमों से वह घर के सूनेपन को दूर कर सकती है।

4. कविता की निम्नलिखित पंक्तियों के भाव स्पष्ट कीजिए–

(क) कविता की इन पंक्तियों में बेटी अपनी माँ से कहती है कि माँ मुझे एक बार इस संसार में आने तो दो। मैं तुम्हारी उदासी दूर कर दूँगी। लोगों के रुखे और गलत विचारों को बदल दूँगी। मुझे पाकर तुम अपने सारे दुख भूल जाओगी।

(ख) कविता की इन पंक्तियों का भाव है कि बेटी माँ से कहती है कि वह माँ के लिए समुद्र की गहराई तक जा सकती है और माँ के लिए मोती और सीपी ढूँढ़कर ला सकती है, नाविकों के किस्से अर्थात उनकी कहानियाँ माँ को सुना सकती है। इन पंक्तियों में बेटी यही कहना चाहती है कि वह माँ के लिए कहीं भी जा सकती है।

व्याकरण-ज्ञान

1. 'ईला' प्रत्यय का प्रयोग करके पाँच नए शब्द लिखिए।

ज़हरीला, बर्फीला, चमकीला, भड़कीला, रसीला

2. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए–

माँ	माता	जननी	अंबा
बेटी	सुता	तनया	पुत्री
पिता	जनक	बाप	बापू
आँख	नयन	चक्षु	नेत्र
समुद्र	जलधि	सिंधु	सागर
मोती	मुक्ता	मौक्तिक	मुक्तिज

3. कविता में आए विशेषण शब्दों को लिखिए।

विशेषण शब्द– ठुमकते, सारा, रुखीला, सारी, झिलमिलाती, चमकीले, चमकीला, चटकीला।

4. कविता में प्रयुक्त हुई किन्हीं पाँच भाववाचक संज्ञाओं को छाँटकर लिखिए।

भाववाचक संज्ञा–हरियाली, खुशबू, सन्नाटा, उद्दंडता, अँधेरा।

5. निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए (स्त्रीलिंग अथवा पुल्लिंग)–

आँचल	पुल्लिंग	भाई	पुल्लिंग
नाविक	पुल्लिंग	आँगन	पुल्लिंग
बेटी	स्त्रीलिंग	मोती	पुल्लिंग
माँ	स्त्रीलिंग	बूँद	स्त्रीलिंग
खिड़की	स्त्रीलिंग	पिता	पुल्लिंग
समुंदर	पुल्लिंग	दरवाजा	पुल्लिंग

6. निम्नलिखित अविकारी शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाइए–

परंतु	मैंने परीक्षा के लिए अच्छे से पढ़ाई की परंतु ज्यादा अच्छे अंक नहीं ला पाई।
मत	चिंता मत करो।
और	बच्चे और उनके पिता गाड़ी में घूमने जा रहे हैं।
क्योंकि	बच्चे को बुखार हो गया क्योंकि उसने ठंडा पानी पीया था।
इसलिए	मेरे पाँव में चोट लगी है इसलिए खेलने नहीं जा सकता।
ताकि	अध्यापिका ने बच्चों को नया पाठ पढ़ाया ताकि वह परीक्षा की तैयारी कर सकें।

5 नीलकंठ

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (स) तूफानमेल से (ख) (ब) जाली के बड़े घर में

(ग) (ब) कुब्जा (घ) (ब) गोमती

2. सत्य/असत्य लिखिए–

(क) असत्य (ख) असत्य (ग) सत्य

(घ) सत्य (ङ) सत्य

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) लेखिका के द्‌वारा छोटा पिंजरा कार में रखते ही दोनों पक्षी-शावकों के छटपटाने से लेखिका को लगा कि जैसे पिंजरा सजीव और उड़ने योग्य हो गया है।

(ख) लेखिका को अपने कमरे का दरवाजा निरंतर बंद रखना पड़ता था क्योंकि लेखिका की बिल्ली (चित्रा) दो नवांगतुकों अर्थात मोर के बच्चों का पता लगा सकती थी। शायद उनको नुकसान भी पहुँचा सकती थी।

(ग) लेखिका ने जिस दिन मोर के दोनों बच्चों को जाली के बड़े घर में रखा था, उस दिन लेखिका के उस चिड़ियाघर में भूचाल आ गया था क्योंकि वे दोनों बच्चे सभी के लिए अनोखे और नए थे।

(घ) नीली गरदन होने के कारण मोर का नाम नीलकंठ रखा गया और मोरनी हमेशा छाया के समान उसके साथ-साथ रहती थी, इस कारण उसका नाम राधा रखा गया था।

(ङ) कुब्जा के आने से नीलकंठ का जीवन अवसादग्रस्त हो गया। कुब्जा जब भी नीलकंठ और राधा को एक साथ देखती तो वह उन्हें मारने दौड़ती। इस डर से वह राधा से दूर रहने लगा और उसकी प्रसन्नता का अंत हो गया। वह प्रायः जाली के घर से निकल भागता और भूखा-प्यासा अन्यत्र छिपा रहता।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) चिड़ियाघर के सदस्यों ने नवांगतुकों का स्वागत कौतूहल के साथ ठीक उसी प्रकार किया जैसे नववधू के आगमन पर परिवार के लोग करते हैं। लक्का कबूतर अपना नाचना छोड़ उनके चारों ओर घूम-घूमकर गूटर-गूँ, गूटर-गूँ की रागिनी अलापने लगा। बड़े खरगोश सभ्य सभासद के समान क्रम से बैठकर गंभीर भाव से उनका निरीक्षण करने लगे। ऊन की गेंद जैसे छोटे खरगोश उनके चारों ओर उछल-कूद मचाने लगे। तोते उन्हें भली-भाँति देखने के लिए एक आँख बंद कर उनका परीक्षण करने लगे। ऐसा लगा जैसे उस चिड़ियाघर में भूचाल आ गया हो।

(ख) धीरे-धीरे दोनों मोर के बच्चे बढ़ने लगे। उनका कायाकल्प वैसा ही क्रमशः और रंगमय था जैसे इल्ली से तितली का बनना। मोर के सिर की कलगी और सघन, ऊँची तथा चमकीली हो गई। चोंच अधिक बंकिम और पैनी हो गई, गोल आँखों में इंद्रनी की नीलाभ द्युति झलकने लगी। लंबी नील-हरित ग्रीवा की हर भंगिमा में धूपछाँही तरंगे उठने-गिरने लगीं। दक्षिण-वाम दोनों पंखों में सलेटी और सफेद आलेखन स्पष्ट होने लगे। पूँछ लंबी हुई और उसके पंखों पर चंद्रिकाओं के इंद्रधनुषी रंग प्रकट हो उठे। रंग-रहित पैरों को गरबीली गति ने एक नयी गरिमा से रंजित कर दिया।

मोरनी का विकास मोर के समान चमत्कारिक तो नहीं हुआ-परंतु अपनी लंबी धूपछाँही गरदन, हवा में चंचल कलगी, पंखों की श्याम-श्वेत पत्रलेखा, मंथर गति आदि से वह भी मोर की उपयुक्त सहचारिणी होने का प्रमाण देने लगी।

(ग) 'नीलकंठ चिड़ियाघर के अन्य जीव-जंतुओं का मित्र भी था और संरक्षक भी।' इसका आशय है कि वह जीव-जंतुओं के साथ खेल-कूद करता था और उन्हें नाच-गाना सिखाता था इसलिए वह उनका मित्र था। साथ ही वह उनकी रक्षा भी करता था तो वह उनका संरक्षक भी था।

(घ) लेखिका को नीलकंठ का गरदन ऊँची कर देखना, मेघों की साँवली छाया में अपने इंद्रधनुष के गुच्छे जैसे पंखों को मंडलाकार बनाकर नाचना, विशेष भंगिमा के साथ उसे गरदन नीची कर दाना चुगना और पानी पीना तथा गरदन टेढ़ी कर शब्द सुनना आदि चेष्टाएँ बहुत भाती थीं।

(ङ) किसी स्थिति में एक साँप जाली के भीतर पहुँच गया। उसे देखकर सब जीव-जंतु भागकर इधर-उधर छिप गए, एक खरगोश का बच्चा साँप की

पकड़ में आ गया। उसे निगलने की चाह में साँप ने उसका आधा पिछला शरीर मुँह में दबा लिया, जिससे खरगोश के बच्चे का स्वर भी इतना तीव्र नहीं निकल सकता था कि किसी को स्पष्ट सुनाई दे सके। नीलकंठ दूर ऊपर झूले में सो रहा था। उसी के चौकन्ने कानों ने उस बच्चे की धीमी चीख सुन ली। वह पूँछ-पंख समेटकर सर से एक झपट्टे में नीचे आ गया। उसने साँप को फन के पास पंजों से दबाया और फिर चोंच से इतने प्रहार किए कि वह अधमरा हो गया। पकड़ ढीली पड़ते ही खरगोश का बच्चा मुख से निकल गया। इस प्रकार नीलकंठ ने खरगोश के बच्चे को बचाया।

(च) कुब्जा लेखिका द्वारा पाली गई एक अन्य मोरनी थी। वह राधा को नीलकंठ के साथ रहते देखकर खुश नहीं रहती थी क्योंकि वह स्वयं नीलकंठ के साथ रहना चाहती थी, इसलिए वह राधा से द्वेष रखती थी।

(छ) कुब्जा की मौत कजली नामक अल्सेशियन कुतिया के दो दाँत उसकी गरदन पर लग जाने से हुई। एक दिन अपने स्वभावानुसार कुब्जा ने भी उस पर अपनी चोंच से प्रहार कर दिया था। कजली की प्रतिक्रिया में उसके दाँत उसकी गरदन पर चुभ गए और उसकी मौत हो गई।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए-

मेघाच्छन्न - मेघ + आच्छन्न

मंडलाकार - मंडल + आकार

नवागंतुक - नव + आगंतुक

आनंदोत्सव - आनंद + उत्सव

विस्मयाभिभूत - विस्मय + अभिभूत

आविर्भूत - आविः + भूत

निश्चेष्ट - निः + चेष्ट

2. निम्नलिखित वाक्यों में उचित कारक-चिह्नों का प्रयोग करके वाक्य पूर्ण कीजिए–

(क) एक अतिथि **को** स्टेशन पहुँचाकर मैं लौट रही थी।

(ख) कमरे **में** उनका पिंजड़ा रखकर दरवाजा खोला।

(ग) नीलकंठ **ने** अपने आपको चिड़ियाघर के निवासी, जीव-जंतुओं का सेनापति और संरक्षक नियुक्त कर लिया।

(घ) अपनी चोंच **से** इतने प्रहार किए कि वह अधमरा हो गया।

(ङ) वह जाली के घर **से** निकल भागा।

(च) खरगोश **के** बच्चों को पंखों में छिपाकर बैठता था।

(छ) आम, अशोक, कचनार आदि **की** शाखाओं में नीलकंठ को ढूँढ़ती रहती थी।

3. निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध रूप लिखिए–

चिड़िमार	चिड़ीमार	संर्कीण	संकीर्ण
वयवहार	व्यवहार	चेश्टा	चेष्टा
निरिक्षण	निरीक्षण	सौंर्दर्य	सौंदर्य
उषणता	उष्णता	क्रुर	क्रूर
पुषपित	पुष्पित	हिनसक	हिंसक

4. (क) कर्मधारय समास के उदाहरण **समास-विग्रह**

1.	नीलकमल	नीला है जो कमल
2.	चंद्रमुख	चंद्र जैसा मुख
3.	महावीर	महान है जो वीर
4.	महापुरुष	महान है जो पुरुष
5.	नृसिंह	सिंह के समान है जो नर

(ख) द्वंद्व समास के उदाहरण **समास-विग्रह**

1.	अन्न-जल	अन्न और जल
2.	अपना-पराया	अपना और पराया
3.	फल-फूल	फल और फूल
4.	दो-चार	दो या चार
5.	तन-मन	तन और मन

6 दिव्यांग व्यक्तित्व

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (अ) लगभग छह हजार सात सौ वर्ष पूर्व

(ख) (ब) विद्‌वानों ने

(ग) (स) 4 जनवरी, 1809 में (घ) (अ) 43 वर्ष

2. सत्य/असत्य लिखिए–

(क) सत्य (ख) असत्य

(ग) सत्य (घ) असत्य

(ङ) सत्य

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) दीर्घतमा वैदिक ऋचा रचनाकार थे। दीर्घतमा गौरवर्ण, भव्य और सुंदर शरीर वाले थे। उनकी आँखें बड़ी-बड़ी, आकर्षक किंतु दृष्टिहीन थीं।

(ख) दीर्घतमा की माँ का नाम ममता होने के कारण इन्हें 'मामतेय' कहा गया।

(ग) लुई ब्रेल का जन्म पेरिस से कुछ दूर स्थित कुप्रे नामक गाँव में हुआ था।

(घ) लुई ने नेत्रहीनों के लिए ब्रेल लिपि का विकास करके सबके मन में विशेष स्थान बना लिया।

(ङ) नेत्रहीनों के लिए लिखा जाने वाला साहित्य 'ब्रेल साहित्य' कहलाता है। यह साहित्य प्रत्येक देश अपने ब्रेल प्रेस में छापता है।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) 'ऋषि' पद प्राप्त करने के लिए कठिन परीक्षा का आयोजन होता था। कोई महान ऋषि विद्‌वानों की सभा की अध्यक्षता करता था। ऋषि पद के प्रार्थी इसमें स्वरचित मंत्रों का पाठ करते थे। इस सभा में उन पर चर्चा होती थी। यह प्रक्रिया 'ज्ञान सत्र प्रक्रिया' कहलाती थी।

(ख) वैदिक काव्य रचना के तीन हज़ार वर्षों में उस कवि को अति महत्त्वपूर्ण और महाकवि मान लिया जाता था, जिसकी सौ ऋचाओं को श्रेष्ठता का प्रमाण मिल जाए। ऐसे कवि को शत (सौ) ऋचा लिखने वाला अर्थात 'शतर्ची' कहा जाता था।

(ग) लुई ब्रेल के पिता की एक छोटी-सी फैक्टरी थी, जिसमें वे घोड़ों की लगाम, जीन आदि बनाते थे। एक दिन तीन वर्षीय लुई खेलते हुए वहाँ आ गया। उसके पिता किसी से बात कर रहे थे। उसने चमड़ा काटने का औज़ार उठाया पर उसे सँभाल न पाया और वह आँख में लग गया। इससे खून की धार बह निकली। समुचित इलाज का प्रबंध न होने से उस आँख

की रोशनी के साथ दूसरी आँख की रोशनी भी चली गई और वह दृष्टिहीन हो गए।

(घ) 'ब्रेल लिपि' को सरकारी मान्यता 1852 में मिली।

(ङ) लुई को मसीहा' इसलिए कहा गया क्योंकि उनके द्वारा विकसित की गई ब्रेललिपि नेत्रहीनों की दुनिया में ज्ञान का प्रकाश लायी।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित संयुक्ताक्षरों और द्वित्व व्यंजनों का प्रयोग करके दो-दो शब्द बनाइए–

(क) न्म– जन्म, विकासोन्मुख

(ख) ष्ट– कष्ट, भ्रष्ट

ग) द्व– द्वार, द्वारा

(घ) क्त– वक्त, रक्त

(ङ) त्य– सत्य, हत्या

(च) म्म– चम्मच, सम्मान

(छ) न्य– न्याय, मान्यता

2. पाठ में प्रयुक्त हुए संज्ञा शब्दों तथा विशेषण शब्दों की सूची बनाइए।

'संज्ञा' शब्द

दीर्घतमा, माँ, बालक, ऋषि, विद्वान, कवि, ममता, मामतेय, मिल्टन, शतर्ची, लुई ब्रेल, पेरिस, कुफ्रे, गाँव, पिता, रेन, सिमन ब्रेल, फैक्टरी, पादरी, जैक्विंस पेलुई, पक्षियों, औज़ार, छड़ी, फूलों, स्कूल, बच्चों, विद्यालय, अध्यापक, स्कूल, बारबियर, मित्रों विद्यार्थियों, बेरुत।

'विशेषण' शब्द

गौरवर्ण, भव्य, सुंदर, बड़ी-बड़ी, आकर्षक, दृष्टिहीन, महान, कठिन, कम,अनेक,एक, नेत्रहीन, मानसिक, तीन हजार, सौ, गरीब, तीन, कुशाग्र, संवेदनशील, दस, नौ, मोटे, बारह, भारतीय।

3. 'ता' तथा 'इत' प्रत्यय का प्रयोग करके पाँच-पाँच शब्द लिखिए।

'ता' प्रत्यय– विशालता, कठोरता, महानता, आवश्यकता, प्राचीनता।

'इत' प्रत्यय– प्रमाणित, लिखित, प्रचलित, कथित, शिक्षित।

4. उचित क्रिया शब्दों से निम्नलिखित वाक्यों को पूर्ण कीजिए–

(क) वह छड़ी के सहारे गाँव भर में **घूमते।**

(ख) खून की धार बह **निकली।**

(ग) वह अपने कार्य स्वयं **करते** थे।

(घ) उसे सामान्य बच्चों के स्कूल में दाखिला **दिलवा** दिया।

(ङ) यह साहित्य प्रत्येक देश अपने ब्रेल प्रेस में **छापता** है।

5. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

प्रमाण	सबूत	ऋषि	साधु
उम्र	आयु	प्रशंसा	तारीफ
देहांत	मृत्यु	रोशनी	प्रकाश
संसार	विश्व	कुशाग्र	बुद्धिमान

7 सूरदास के पद

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (स) कृष्ण-बलराम

(ख) (स) कृष्ण की

(ग) (ब) चोटी

(घ) (स) दूध से बने पदार्थ

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) चोटी बढ़ाने के लिए माता यशोदा ने कृष्ण को उपाय बताया था कि कच्चा दूध पीने से चोटी लंबी हो जायेगी।

(ख) कृष्ण को सबसे अधिक माखन-रोटी खाना पसंद था।

(ग) यशोदा कृष्ण की भोली बातें सुनकर आशीर्वाद देती है कि कृष्ण और उनके बड़े भाई बलराम की जोड़ी सदैव बनी रहे।

(घ) कृष्ण ओखली पर चढ़कर छींके तक पहुँच जाते थे।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) चोटी न बढ़ने पर बालक कृष्ण माता यशोदा से शिकायत करते हैं कि माँ तू मुझसे कहती थी कि जैसे बलराम भैया की लंबी और मोटी चोटी है, मेरी भी वैसी हो जायेगी। तू मेरे बाल बनाती है, इन्हें धोती है पर यह

नागिन की तरह भूमि पर क्यों नहीं लोटती। तू मुझे सिर्फ बार-बार दूध पिलाती है, मक्खन व रोटी खाने को नहीं देती इसलिए चोटी बड़ी नहीं होती।

(ख) यशोदा माँ बालक कृष्ण को लोभ देती थीं कि यदि वह नियम से प्रतिदिन दूध पीएँगे तो उनकी चोटी भाई बलराम की तरह लंबी और मोटी हो जाएगी। कृष्ण अपने बाल बढ़ाना चाहते थे, इसलिए इसी लोभ में वह ना चाहते हुए भी दूध पीने के लिए तैयार हो गए।

(ग) गोपियाँ माँ यशोदा से शिकायत करते हुए कहती है कि नटखट कृष्ण प्रतिदिन उनके घर से मक्खन चोरी करके खा जाते हैं। वे कहती हैं कि कृष्ण दोपहर के समय उनके सुनसान घर में दरवाजा खोलकर घुस जाते हैं और ओखली पर चढ़कर छींके पर रखा गोरस उतारकर जी भरकर मक्खन खाते हैं तथा अपने मित्रों को भी खिला देते हैं और बहुत सारा मक्खन भूमि पर भी गिरा देते हैं, जिससे हर रोज़ दूध-दही का नुकसान हो जाता है। वे यशोदा से कहती हैं कि उन्होंने अनोखे पुत्र को जन्म दिया है जो दूसरों से अलग है।

(घ) मक्खन चुराते समय कृष्ण मक्खन बिखरा देते हैं क्योंकि उन्हें माखन ऊँचे टँगे छींकों से चुराने में दिक्कत होती थी तथा माखन चुराते समय वह आधा माखन खुद खाते और आधा अपने सखाओं को खिलाते हैं, जिसके कारण माखन जगह-जगह ज़मीन पर गिर जाता है।

4. पाठ में आए दोनों पदों का सरलार्थ लिखिए।

(1) मैया, कबहिं बढ़ेगी......................हरि-हलधर की चोटी।

सरलार्थ : कृष्ण कहते हैं कि मैया! मेरी चोटी कब बढ़ेगी? मुझे दूध पीते-पीते कितने दिन हो गये पर यह तो अब भी छोटी है। तू जो यह कहती है कि दाऊ भैया की चोटी के समान यह भी लंबी और मोटी हो जायेगी और कंघी करते, गूँथते तथा स्नान कराते समय सर्पिणी के समान भूमि तक लटकने लगेगी। वह बात ठीक नहीं जान पड़ती। तुम मुझे बार-बार परिश्रम करके कच्चा दूध पिलाती हो, मक्खन-रोटी नहीं देती। सूरदास जी कहते हैं कि बलराम-घनश्याम की जोड़ी अनुपम है, ये दोनों भाई चिरजीवी हों।

(2) तेरैं लाल मेरौ........................पूत अनोखौ जायौ।

सरलार्थ : सूरदास जी कहते हैं कि एक गोपी यशोदा माँ को उलाहना देते हुए कहती हैं कि तुम्हारे लाल ने मेरा मक्खन खाया है। दिन में दोपहर के समय घर को सुनसान समझकर स्वयं ढूँढ़-ढाँढकर इसने स्वयं मक्खन खाया। इसने अकेले ही नहीं खाया, बल्कि किवाड़ खोलकर, घर में घुसकर सारा दूध-दही अपने सखाओं को खिला दिया। ओखली पर चढ़कर छींके पर रखा गोरस भी ले लिया और जो अच्छा नहीं लगा, उसे पृथ्वी पर ढुलका दिया। प्रतिदिन इसी प्रकार गोरस की बरबादी हो रही है। तुमने इस पुत्र को किस ढंग पर लगा दिया। श्यामसुंदर को मना करके घर पर क्यों नहीं रखती हो? क्या तुमने ही अनोखा पुत्र पैदा किया है?

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए–

(क) दूध - दुग्ध, गोरस, पय
(ख) दिवस - दिन, वार, दिवा
(ग) मैया - माँ, अंबा, माता
(घ) श्याम - मनोहर, मुरलीधर, कान्हा
(ङ) पूत- सुत, पुत्र, बेटा
(च) भूमि - जमीन, धरती, भू
(छ) हरि- प्रभु, परमात्मा, ईश्वर

2. निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार के भेद बताइए–

(क) श्लेष अलंकार
(ख) पुनरुक्ति अलंकार
(ग) अनुप्रास अलंकार

3. निम्नलिखित ब्रजभाषा के शब्दों के हिंदी अर्थ लिखिए–

ढूँढ़ि	खोजना	काँचौ	कच्चा
जायौ	जन्म देना	अजहूँ	आज भी
ढरकायौ	बिखेरना	पियावत	पिलाती
सींके	छिका	भुइँ	पृथ्वी

8 भिखारिन

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (ब) मंदिर के दरवाजे पर (ख) (अ) हाँडी

(ग) (अ) सेठ जी के बेटे से (घ) (स) फिटन से

2. रिक्त स्थान भरिए–

(क) सहृदय, श्रद्धालु (ख) अन्न

(ग) रुचि (घ) ज्वर

(ङ) विकल

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) अंधी भिखारिन प्रतिदिन मंदिर के दरवाजे पर जाकर खड़ी होती और दर्शन करने वाले बाहर निकलते तो वह अपना हाथ कुछ माँगने के लिए फैला देती।

(ख) अंधी भिखारिन जो कुछ माँगकर लाती वह एक हाँडी में डाल देती और उसे किसी वस्तु से ढक देती। खाने के लिए उसे काफी अन्न मिल जाता था, तो उसी से काम चलाती थी। इस प्रकार अंधी के पास काफी धन इकट्ठा हो गया।

(ग) सेठ बनारसीदास बहुत प्रसिद्ध व्यक्ति थे क्योंकि वह बहुत बड़े देशभक्त और धर्मात्मा थे। धर्म में उनकी बड़ी रुचि थी। दिन के बारह बजे तक वह स्नान-ध्यान में संलग्न रहते थे।

(घ) अंधी भिखारिन सेठ जी के पास अपनी हाँडी लेकर इसलिए गई थी क्योंकि उसके पास काफी रुपए हो गए थ। उसकी रुपयों की हाँडी लगभग पूरी भर गई थी। उसको शंका थी कि कोई उसके रुपये चुरा न ले।

(ङ) अंधी भिखारिन का बेटा बीमार था, उसके इलाज के लिए उसे रुपयों की ज़रूरत थी इसलिए वह सेठ जी से अपनी जमा-पूँजी वापिस लेने गई थी।

(च) सेठ जी अंधी भिखारिन की झोंपड़ी पर इसलिए गए क्योंकि उनका बेटा बीमार था। उनके बेटे के लिए वह अंधी भिखारिन ही उसकी माँ थी और जब वह उसे सेठ जी के पास छोड़कर वापिस चली गई तो अपनी माँ को अपने पास न पाकर उसका ज्वर और अधिक हो गया और माँ-माँ की रट लगाने लगा तथा डॉक्टरों ने भी उसे जवाब दे दिया। अतः अपने बेटे को बचाने के लिए उन्हें अंधी भिखारिन के पास जाना पड़ा।

(छ) मोहन के पूरी तरह स्वस्थ हो जाने पर अंधी ने सेठ जी से व उनके परिवार से विदा माँगी। सेठ जी ने बहुत कुछ कहा कि वह उन्हीं के पास रह जाए परंतु वह सहमत न हुई।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) अंधी भिखारिन मंदिर के बाहर प्रातः से संध्या तक हाथ फैलाए खड़ी रहती। आने-जाने वाले दो-चार पैसे उसके हाथ पर रख ही देते थे और स्त्रियाँ उसके पल्ले में थोड़ा-बहुत अनाज डाल जाया करती थीं। झोंपड़ी तक वापिस पहुँचते-पहुँचते उसे दो-चार पैसे और मिल जाते। इन मिलने वाले पैसों और अनाज से वह अपना जीवन निर्वाह किया करती थी।

(ख) अंधी भिखारिन द्वारा सेठ जी से अपनी जमा पूँजी वापिस माँगने पर उन्होंने उसकी रुपयों वाली हाँडी वापिस देने से इंकार कर दिया। उन्होंने भिखारिन को यह जताया कि उनके पास उसकी कोई भी जमा-पूँजी नहीं है। उन्होंने यह सब नीयत में खोट आ जाने के कारण किया।

(ग) सेठ जी बच्चे को देखते ही पहचान गए। बच्चे को देखकर उन्हें बहुत आश्चर्य हुआ कि उसकी शक्ल-सूरत उनके बेटे मोहन से बहुत मिलती-जुलती थी। सात वर्ष पहले मोहन किसी मेले में खो गया था। उन्हें स्मरण हो आया कि मोहन की जाँघ पर एक लाल रंग का चिह्न था। इस विचार के आते ही उन्होंने बच्चे की जाँघ देखी। चिह्न पहले से कुछ बड़ा था। उनको विश्वास हो गया कि यह बच्चा उन्हीं का है।

(घ) दवा ने मोहन पर जादू जैसा प्रभाव दिखाया। उसका ज्वर उतर गया परंतु होश आने पर उसने आँखें खोलीं तो उसकी जबान से सबसे पहले 'माँ' शब्द निकला। अपने चारों ओर अपरिचित शक्लें देखकर उसने अपने नेत्र फिर बंद कर लिए। उस समय से उसका ज्वर फिर अधिक होना आरंभ हो गया। उसने माँ-माँ की रट लगा रखी थी, डॉक्टरों ने भी जवाब दे दिया। यह सब देखकर सेठ जी स्वयं उसकी 'माँ' अंधी भिखारिन को

लेकर आए। उसने जैसे ही मोहन के माथे पर हाथ फेरा, वह पहचान गया कि यह उसकी माँ का हाथ है और उसने अपने नेत्र खोल दिए। अपनी माँ की गोद में सिर रखकर उसे सुख का अनुभव हुआ और धीरे-धीरे वह ठीक होने लगा।

(ङ) अंधी भिखारिन अपने बीमार बेटे के इलाज के लिए जब सेठ जी से अपनी जमा-पूँजी लेने गई तो उन्होंने लालच में आकर उसके रुपये देने से इंकार कर दिया। अंधी रोती हुई वापिस चली गई परंतु बेटे की तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर वह उसे लेकर सेठ जी के घर के बाहर जाकर बैठ गई। जब सेठ जी ने उसकी गोद में बच्चे को देखा तो वह पहचान गए कि यह उनका खोया हुआ बेटा मोहन है। उन्होंने अंधी से बच्चे को छीन लिया और उसे वापिस भेज दिया। परंतु मोहन अपने आस-पास अपनी माँ को न पाकर और अधिक बीमार हो गया। डॉक्टरों ने भी उसे जवाब दे दिया। ऐसी स्थिति में सेठ जी अंधी भिखारिन को उसकी झोंपड़ी से वापिस मोहन के पास लाये। उसे देखकर मोहन की तबीयत में सुधार आने लगा। मोहन के ठीक हो जाने पर भिखारिन ने उनसे विदा माँगी। सेठ जी ने उसे अपने घर में ही रहने के लिए कहा परंतु उसने इंकार कर दिया। उसके वापिस जाते समय सेठ जी ने उसे उसकी जमा-पूँजी देनी चाही परन्तु उसने लेने से इंकार कर दिया। उसने कहा कि उसने यह जमा-पूँजी मोहन के लिए ही इकट्ठी की थी, इसलिए वह यह सब कुछ मोहन के लिए ही छोड़कर जा रही है। यह कहते हुए वह सेठ जी के घर से बाहर निकल गयी। इसलिए कहा गया है कि सेठ याचक था और भिखारिन दाता थी क्योंकि वह अपना सब कुछ सेठ जी को दे आयी।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए–

(क) हाथ-पाँव फूलना–घबरा जाना–बदमाशों को देखकर पिता जी के हाथ-पाँव फूल गए।

(ख) पत्थर में जोंक न लगना–बुरे व्यक्ति पर शिक्षा का कोई असर न होना–रमेश का परीक्षा में उत्तीर्ण न होना पत्थर पर जोंक लगने के समान है।

(ग) ताँता बँधना–भीड़ लग जाना–संत के दर्शनों के लिए लोगों का ताँता बंध गया।

(घ) जोर का ठहाका लगाना–बहुत जोर से हँसना–घर में शादी समारोह के दौरान सभी लोग जोर से ठहाके लगा रहे थे।

(ङ) टस-से-मस न होना–कुछ असर न पड़ना–माता-पिता के लाख समझाने पर भी राहुल टस-से-मस नहीं हुआ और बुरे लड़कों के साथ घूमने चला गया।

(च) प्राणों के लाले पड़ना–प्राण बचाना मुश्किल पड़ना–रात के अंधेरे में कुत्ते मेरे पीछे पड़ गए तो प्राणों के लाले पड़ गए थे।

2. निम्नलिखित रिक्त स्थानों में उचित संबंधबोधक शब्द भरिए–

(क) अंधी अपनी लाठी **के सहारे** झोंपड़ी का पथ ग्रहण करती।

(ख) उसी दिन से यह बच्चा अंधी **के पास** था।

(ग) अंधी अपनी झोपड़ी **की ओर** चल दी।

(घ) उन्होंने किसी **के सामने** सिर नहीं झुकाया था।

(ङ) सेठ जी स्वयं मकान **की ओर** चल दिए।

3. निम्नलिखित वाक्यों में कारक-चिह्नों को लिखिए तथा उनका भेद भी बताइए–

	कारक चिह्न	**कारक भेद**
(क)	ने	कर्ता कारक
(ख)	के लिए	संप्रदान कारक
(ग)	में	अधिकरण कारक
(घ)	को	कर्म कारक
(ङ)	के	संबध कारक
(च)	की	संबंध कारक
(छ)	को	कर्म कारक
(ज)	से	करण कारक

4. पाठ में से योजक-चिह्न वाले शब्दों को ढूँढ़कर लिखिए।

पहुँचते-पहुँचते, उछलता-कूदता, पास-पड़ोस, बच्चा-बच्चा, बही-खाता, टोने-टोटके, जमा-पूँजी, पाँच-दस, खून-पसीना, मिलती-जुलती, हाथ-पाँव, दस-पंद्रह।

5. निम्नलिखित श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए–

(क)	ओर	तरफ	मंदिर की ओर जाते हुए फलों की दुकानें हैं।
	और	अधिक	मुझे कुछ और कपड़े खरीदने हैं।
(ख)	प्रणाम	अभिवादन करना	हमें अपने से बड़ों को प्रणाम करना चाहिए।
	परिणाम	नतीजा	आज दसवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम आएगा।
(ग)	अन्न	अनाज	माँ ने सुबह से अन्न का एक भी दाना नहीं खाया।
	अन्य	दूसरा	राम के स्थान पर अन्य छात्र प्रतियोगिता में भाग लेगा।
(घ)	दिन	दिवस	सप्ताह में सात दिन होते हैं।
	दीन	गरीब	हमें दीन-दुखियों की मदद करनी चाहिए।
(ङ)	परवाह	फिक्र, ख्याल	अजय अपनी पढ़ाई-लिखाई की परवाह नहीं करता।
	प्रवाह	बहाव	मैदानों में आकर नदियों का प्रवाह तेज हो जाता है।

9 क्या निराश हुआ जाए

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (ब) संदेह की दृष्टि से (ख) (अ) भौतिक वस्तुओं

(ग) (अ) सौ रुपये (घ) (ब) उसके साथ विश्वासघात न होना

2. रिक्त स्थान भरिए–

(क) ईमानदार (ख) मनीषियों

(ग) नियम-कानून (घ) पर्दाफाश

(ङ) आशा

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) लेखक के अनुसार समाचार-पत्र ठगी, डकैती, चोरी, तस्करी और भ्रष्टाचार के समाचारों से भरे रहते हैं।

(ख) आज के माहौल में ईमानदारी से मेहनत करके जीविका चलाने वाले निरीह और भोले-भाले श्रमजीवी पिस रहे हैं और झूठ तथा फरेब का रोज़गार करने वाले फल-फूल रहे हैं।

(ग) लेखक को इस बात में बुराई मालूम होती है कि किसी के आचरण के गलत पक्ष को उद्घाटित करते समय उसमें रस लिया जाता है और दोषोद्घाटन को एकमात्र कर्तव्य मान लिया जाता है।

(घ) 'कुछ नौजवानों ने ड्राइवर को पकड़कर मारने-पीटने का हिसाब बनाया क्योंकि उन्हें लग रहा था कि ड्राइवर बदमाशों और डाकुओं से मिला हुआ है तथा उसने जान-बूझकर बस को रोका है।

(ङ) रवींद्रनाथ ठाकुर ने भगवान से प्रार्थना की थी कि संसार में केवल नुकसान ही उठाना पड़े, धोखा ही खाना पड़े तो ऐसे अवसरों पर भी हे प्रभो! मुझे ऐसी शक्ति दो कि मैं तुम्हारे ऊपर संदेह न करूँ।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) ईमानदारी को मूर्खता का पर्याय समझा जाने लगा है, सच्चाई केवल भीरू और बेबस लोगों के हिस्से ही पड़ी है। ऐसी स्थिति में जीवन के महान मूल्यों के प्रति लेखक की आस्था ही हिलने लगी है।

(ख) टिकट बाबू की इस ईमानदारी से लेखक चकित हो गया कि एक बार रेलवे स्टेशन पर टिकट लेते समय लेखक ने गलती से दस की बजाए सौ रुपए का नोट दे दिया। वह जल्दी-जल्दी गाड़ी में आकर बैठ गये। थोड़ी देर में टिकट बाबू उन दिनों के सेकंड क्लास के डिब्बे में आदमी का चेहरा पहचानते हुए उपस्थित हुए। उसने लेखक को पहचान लिया और बड़ी विन्रमता के साथ उनके हाथ में नब्बे रुपए रख दिए और बोले, कि बहुत बड़ी गलती हो गई थी। आपने भी नहीं देखा, और मैंने भी नहीं देखा। उसके चेहरे पर विचित्र संतोष की गरिमा थी।

(ग) भारतवर्ष सदा कानून को धर्म के रूप में देखता आ रहा है। आज एकाएक कानून और धर्म में अंतर कर दिया गया है। धर्म को धोखा नहीं दिया जा

सकता, कानून को दिया जा सकता है। यही कारण है कि जो लोग धर्मभीरु हैं, वे कानून की त्रुटियों से लाभ उठाने में संकोच नहीं करते।

(घ) एक बार लेखक बस में यात्रा कर रहा था। उनके साथ उनकी पत्नी और तीन बच्चे भी थे। बस में कुछ खराबी की वजह से रुक-रुककर चल रही थी। गंतव्य से कोई पाँच मील पहले ही एक निर्जन सुनसान स्थान में बस ने जवाब दे दिया। रात के दस बज रहे थे। बस में यात्री घबरा गए। कंडक्टर बस के ऊपर से एक साइकिल लेकर कहीं चला गया। लोगों को संदेह हो गया कि उन्हें धोखा दिया जा रहा है।

बस में बैठे लोगों ने तरह-तरह की बातें करनी शुरु कर दीं। किसी ने कहा कि, ''यहाँ डकैती होती है, दो दिन पहले इसी तरह एक बस को लूट लिया गया था। लेखक ही केवल अपने परिवार सहित थे और उनके बच्चे पानी-पानी चिल्ला रहे थे, पर पानी का कहीं ठिकाना न था, ऊपर से आदमियों का डर समा गया था।

कुछ नौजवानों ने ड्राइवर को पकड़कर मारने-पीटने के लिए भी सोच लिया, इससे ड्राइवर के चेहरे पर हवाइयाँ उड़ने लगीं। लोगों ने उसे पकड़ लिया तो वह बड़े कातर ढंग से लेखक की ओर देखने लगा और बोला कि हम लोग दूसरी बस के लिए कोई उपाय कर रहे हैं। उसकी कातर मुद्रा देखकर लेखक ने यात्रियों को समझाया कि मारना ठीक नहीं है। परंतु यात्री इतने घबरा गए थे कि लेखक की बात सुनने को तैयार नहीं हुए और ड्राइवर की बातों में न आने के लिए बोलने लगे। उन्हें लगा कि वह धोखा दे रहा है और कंडक्टर को पहले ही डाकुओं के यहाँ भेज दिया है।''

लेखक भी बहुत भयभीत था, पर ड्राइवर को किसी तरह मार-पीट से बचाया। लेखक के बच्चे भोजन और पानी के लिए व्याकुल थे। लोगों ने ड्राइवर को मारा तो नहीं, पर उसे बस से उतारकर एक जगह घेर कर रखा कि यदि कोई भी दुर्घटना होती है तो पहले ड्राइवर को समाप्त कर देना उन्हें सही लग रहा था। पर उसी समय सब देखते हैं कि एक खाली बस चली आ रही है और उस पर उनका बस कंडक्टर भी बैठा हुआ है। वह एक लोटे में पानी और थोड़ा-सा दूध लेकर आता है क्योंकि उससे लेखक के बच्चों का रोना नहीं देखा गया। यात्रियों में फिर जान आई। सबने उसे धन्यवाद दिया। ड्राइवर से माफी माँगी और बारह बजे से पहले ही सब लोग बस-अड्डे पहुँच गए।

इस घटना से पता चलता है कि हमें बिना जाने दूसरों के बारे में गलत राय नहीं बना लेनी चाहिए।

(ङ) 'निराश होने की जरूरत नहीं है'। लेखक के इस कथन का आशय यह है कि यद्यपि आज समाज में बुराइयाँ, भ्रष्टाचार, ठगी, चोरी बढ़ गई है परंतु इन परिस्थितियों में हमें सकारात्मक रुख अपनाना चाहिए, यदि हम निराश हो जाएँगे तो समस्या का समाधान होने की बजाय मुश्किलें और बढ़ जाएँगी।

व्याकरण-ज्ञान

1. पाठ में प्रयुक्त हुई निम्नलिखित संज्ञाओं को उनके भेदानुसार उचित स्थान पर लिखिए–

व्यक्तिवाचक संज्ञा–गाँधी, रवींद्रनाथ ठाकुर, मदनमोहन मालवीय, भारत, आर्य।

जातिवाचक संज्ञा–हिंदू, मनुष्य, देश, ड्राइवर, रेलवे स्टेशन, बच्चे, पत्नी, कंडक्टर, बस।

भाववाचक संज्ञा–ईमानदारी, सच्चाई, विनम्रता, मनुष्यता।

2. निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त मूल शब्द, उपसर्ग और प्रत्यय अलग-अलग करके लिखिए–

शब्द	**मूल शब्द**	**उपसर्ग**	**प्रत्यय**
प्रत्यारोप	आरोप	प्रति	
ईमानदारी	ईमानदार		ई
सामाजिक	समाज		इक
आध्यात्मिकता	अध्यात्म		इक, ता
विनम्रता	विनम्र		ता
मनुष्यता	मनुष्य		ता
दुर्घटना	घटना	दुर्	

3. निम्नलिखित शब्दों का संधि विच्छेद कीजिए–

संसार- सम् + सार	पवित्र– पो + इत्र
दोषोद्‌घाटन– दोषो + घाटन	संतोष– सम् + तोष
संदेह– सम् + देह	दुर्घटना– दुः + घटना

संस्कृति– सम् + कृति   निर्जन– निः + जन

4. **द्वंद्व समास के दस उदाहरण स्वयं लिखिए।**

द्वंद्व समास के उदाहरण–

अन्न-जल, अपना-पराया, दूध-पानी, फल-फूल, आना-जाना, सोना-चाँदी, कौरव-पांडव, छोटा-बड़ा, माता-पिता, राजा-रानी।

10 वर्षा बहार

अभ्यास

1. **सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–**

(क) (ब) सबके मन को लुभा रही है

(ख) (अ) ठंडी हवा

(ग) (स) गीत गाना   (घ) (अ) सुगंध

2. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–**

(क) वर्षा ऋतु में बादलों की स्थिति यह है कि वे गरज रहे हैं।

(ख) मालिनें सुंदर गीत गा रही हैं।

(ग) मेंढक अपना प्रिय सुगीत सुनाकर लोगों को लुभा रहे हैं।

(घ) जीव जलचर पर वर्षा का यह प्रभाव पड़ रहा है कि वे अति प्रसन्न दिख रहे हैं।

(ङ) सौरभ के उड़ने से बगीचे में सब ओर आनंद छा रहा है।

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–**

(क) वर्षा के आगमन से चारों तरफ हरियाली छा गई है। आसमान में घने बादल छा गए हैं। बादलों की गड़गड़ाहट के साथ बिजली चमक रही है। निरंतर वर्षा होने से झरने भी बह रहे हैं; अतः वर्षा हम सबके मन को लुभा रही है।

(ख) वर्षा आने पर चारों ओर आनंद छा जाता है क्योंकि बाग-बगीचों में फूल खिलने लगते हैं। सभी पेड़-पौधे हरे हो जाते हैं। पपीहे की आवाज सुनाई

पड़ने लगती है। पेड़ों की डालियाँ झूमती नज़र आती हैं। फूलों की सुंगध से वातावरण सुगंधमय हो जाता है।

(ग) किसानों के गीतों को मनहर कहा गया है क्योंकि वर्षा ऋतु के आने से गरमी की प्रचंडता से सभी को राहत मिलती है। किसान भी खेती के लिए वर्षा की राह देखते हैं। वर्षा आते ही वे खुशी से झूम उठते हैं और खेतों की ओर चल पड़ते हैं तथा खुशी से गीत गाते हैं तथा उनके गीत लोगों के मन को हर लेते हैं।

(घ) सारे जगत की शोभा वर्षा ऋतु पर निर्भर है क्योंकि इसके आने से चारों तरफ हरियाली छा जाती है। प्रकृति का सौंदर्य अद्भुत हो जाता है। चारों तरफ आनंद व उल्लास छा जाता है तथा गरमी की प्रचंडता समाप्त हो जाती है।

(ङ) वर्षा ऋतु के आने से सभी जीव-जंतु, पेड़-पौधे तथा मनुष्य बहुत ही आनंदित हो जाते हैं और ठंडी हवा बहने लगती है। सभी डालियाँ हिलने लगती हैं। मालिनें बागों में गीत गाती है। तालाबों में मछलियाँ और अन्य जल जीव अति प्रसन्न होते हैं। पपीहे भीषण गरमी से राहत पाते हैं और मोर वन में नृत्य करते हैं। वर्षा ऋतु आ जाने से मेंढक सुगीत गाकर बेहद खुश हैं। हवा में फूलों की खुशबू उड़ती है। बागों में आमोद छा रहा है और हंस भी बेहद खुश हैं।

4. निम्नलिखित पंक्तियों के भावार्थ लिखिए–

(क) कविता की इन पंक्तियों का भाव यह है कि वर्षा ऋतु में तालाबों में रहने वाले जीव-जंतु अधिक प्रसन्न हो रहे हैं। इधर-उधर भागते हुए पपीहे गरमी के ताप को अपने से दूर भगा रहे हैं।

(ख) कविता की इन पंक्तियों का भाव यह है कि कतारबद्ध चलते हुए हंस शोभायमान हो रहे हैं। गाते हुए किसानों के गीत लोगों का मन हर लेते हैं।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

हवा–वायु, पवन, समीर	वर्षा–बारिश, बरसात, वृष्टि
वन–जंगल, कानन, अरण्य	जगत–संसार, दुनिया, लोक
बादल–मेघ, जलद, जलधर	मोर–मयूर, केक, मेहप्रिय

2. अनुप्रास अलंकार के पाँच उदाहरण लिखिए।

(क) रघुपति राघव राजा राम।

(ख) चमक गई चपला चम चम।

(ग) चारुचंद्र की चंचल किरणें, खेल रही थीं जल-थल में।

(घ) कूकै लगी कोयल कदंबन पर बैठी फेरि।

(ङ) प्रतिभट कटक कटीले केते काटि काटि।

3. कविता में आए निम्नलिखित तत्सम शब्दों के तद्भव रूप तथा तद्भव शब्दों के तत्सम रूप लिखिए–

तत्सम	**तद्भव**	**तद्भव**	**तत्सम**
मेघ	मेह	मोर	मयूर
ग्रीष्म	गर्मी	बिजली	विद्युत
नृत्य	नाच	किसान	कृषक
वर्षा	बरसात	बादल	वारिद
वन	बन	झरना	झरन
		मेंढक	मण्डूक
		पानी	पानीय

4. कविता में प्रयुक्त हुई जातिवाचक संज्ञाएँ छाँटकर लिखिए।

जातिवाचक संज्ञाएँ–बादल, मालिनें, मोर, मेंढक, हंस, किसान।

11 उखड़े खंभे

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (स) बिजली के खंभों के पास (ख) मुनाफ़ाखोर ने

(ग) (ब) विशेषज्ञ ने (घ) (ब) जीजा-साले का रिश्ता

2. रिक्त स्थान भरिए–

(क) स्वस्थ, सानंद (ख) निजी

(ग) ओवरसियर (घ) सुरक्षा

(ङ) भूमि, वातावरण

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) राजा ने खीझकर घोषणा की कि मुनाफाखोरों को बिजली के खंभे से लटका दिया जाएगा।

(ख) सोलहवें दिन सुबह उठकर लोगों ने देखा कि बिजली के सारे खंभे उखड़े पड़े हैं।

(ग) राजा ने ओवरसियर को इसलिए बुलवाया क्योंकि एक मज़दूर ने उन्हें बताया कि उसने ओवरसियर साहब के हुक्म करने पर खंभे उखाड़े।

(घ) इंजीनियर ने राजा को बताया कि उसे बिजली इंजीनियर ने आदेश दिया था कि रात में सारे खंभे उखाड़ देने चाहिए।

(ङ) सचिव ने विशेषज्ञ को भरोसे का आदमी कहा क्योंकि वह उसका साला था।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) लोगों ने खंभों के पास जमा होकर खंभों की पूजा की, आरती उतारी और उन्हें तिलक किया।

(ख) सचिव ने खंभे उखड़वाए जाने का कारण बताया कि यह पूरे शहर की सुरक्षा का सवाल था। अगर रात को खंभे न हटाए जाते, तो सारा शहर नष्ट हो जाता।

(ग) विशेषज्ञ ने खंभे उखड़वाए जाने के लिए राजा को तर्क दिया कि वह भूमि तथा वातावरण की हलचल का अध्ययन करता है। उसने परीक्षण के द्वारा पता लगाया कि ज़मीन के नीचे एक भयंकर विद्युत-प्रवाह घूम रहा है। उसे यह भी मालूम हुआ कि वह बिजली उनके शहर के नीचे से निकलेगी तथा वह जानता है कि उनके नीचे से भयंकर बिजली प्रवाहित हो रही है। यदि बिजली के खंभे जमीन में गड़े रहते तो वह बिजली खंभों के द्वारा ऊपर आती और उसकी टक्कर अपने पावर हाउस की बिजली से होती। तब भयंकर विस्फोट होता। शहर पर हजारों बिजलियाँ एक साथ गिरतीं। तब न एक भी प्राणी जीवित बचता, न एक भी इमारत खड़ी रह पाती। उसने तुरंत सचिव महोदय को यह बात बताई और उन्होंने ठीक समय पर उचित कदम उठाकर शहर को बचा लिया।

(घ) मुनाफाखोरी से कमाई गई रकम उसी सप्ताह बैंक में कई विभागों के अधिकारियों की पत्नियों के खातों में जमा हो गई, और उसी सप्ताह 'मुनाफाखोर संघ' के हिसाब से बहुत-सी रकम 'धर्मादा' खाते में डाली गई।

(ङ) इस एकांकी के माध्यम से लेखक ने संदेश दिया है कि मुनाफाखोरी (रिश्वतखोरी) से सारा समाज पीड़ित है, लेकिन इस बीमारी का इलाज कोई नहीं ढूँढ़ पाता।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थान पर उचित विराम-चिह्न का प्रयोग कीजिए–

(क) नहीं, ऐसा नहीं होगा।

(ख) कितने दिन बाद वे लटकाए जाएँगे?

(ग) रात को न आँधी आई, न भूकंप आया।

(घ) ओवरसियर को बुलाया जाए।

(ङ) किसने बताया तुम्हें?

(च) चुपचाप अपने-अपने घर लौट गए।

2. (अ) निम्नलिखित वाक्यों में विशेषण को रेखांकित कीजिए तथा विशेषण-भेद भी लिखिए–

		विशेषण-भेद
(क)	फाँसी देना अभी निजी क्षेत्र का उद्योग नहीं हुआ।	गुणवाचक विशेषण
(ख)	सोलहवें दिन वे बिजली के खंभों से लटके दिखेंगे।	निश्चित संख्यावाचक विशेषण
(ग)	मुनाफाखोर स्वस्थ और सानंद है।	गुणवाचक विशेषण
(घ)	हजारों बिजलियाँ एक साथ गिरतीं।	निश्चित संख्यावाचक विशेषण
(ङ)	बहुत-सी रकम धर्मादा खाते में डाली गई।	अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण

(च)	कई विभागों के अधिकारियों की पत्नियों के खातों में रकम जमा हो गई।	अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण
(छ)	वह बिजली हमारे शहर के नीचे से निकलेगी।	सार्वनामिक विशेषण

(ब) निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रियाविशेषण को छाँटकर लिखिए तथा उनके भेद भी लिखिए–

क्रियाविशेषण	**भेद**
(क) सुबह	कालवाचक क्रियाविशेषण
(ख) रात	कालवाचक क्रियाविशेषण
(ग) देर	कालवाचक क्रियाविशेषण
(घ) नीचे	स्थानवाचक क्रियाविशेषण
(ङ) ऊपर	स्थानवाचक क्रियाविशेषण
(च) चुपचाप	रीतिवाचक क्रियाविशेषण

3. निम्नलिखित अव्ययीभाव समास के कुछ सामासिक शब्द दिए जा रहे हैं, इनका समास-विग्रह कीजिए–

आजीवन	जीवनभर	आजन्म	जन्मपर्यंत
दिनभर	पूरे दिन	हाथों-हाथ	हाथ ही हाथ में
घर-घर	प्रत्येक घर	निडर	बिना डरे
रातों-रात	रात ही रात में		

12 जीवन नहीं मरा करता है

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (ब) सपनों के मर जाने से (ख) (अ) समस्या हल हो जाती है

(ग) (स) बचपन खत्म नहीं होता है

(घ) (अ) कोई प्रभाव नहीं पड़ता

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) 'छिप-छिप अश्रु बहाने वालों' के माध्यम से कवि ऐसे लोगों को संबोधित कर रहा है जो अपनी असफलताओं का सामना नहीं कर पाते और छिप-छिपकर रोते हैं।

(ख) कवि के अनुसार 'सपना' का अर्थ है अपनी मंजिल को पाने के लिए किए प्रयास तथा सफलता प्राप्त होने पर सुखमयी जीवन के बारे में सोचना।

(ग) कुछ दीयों के बुझ जाने से आँगन में अंधेरा नहीं हो जाता क्योंकि बाकी के दीये आँगन में अपना प्रकाश फैलाते रहते हैं।

(घ) 'तम की उमर बढ़ाने वालों' से कवि का आशय है असामाजिक अथवा बुरे लोगों को समाज में अंधेरा ही अच्छा लगता है।

(ङ) माली के द्वारा उपवन लूटने पर भी वहाँ फैली फूलों की सुगंध खत्म नहीं होती।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) 'जीवन नहीं मरा करता है' कविता के द्वारा कवि संदेश देना चाहते हैं कि हमारे जीवन में उतार-चढ़ाव हमेशा आते रहेंगे। हमें संकटों का सामना भी करना पड़ता है लेकिन इस वजह से हमें कभी निराश नहीं होना चाहिए। हमेशा संकटों का डटकर सामना करना चाहिए। जो रास्ता हमने अपने लिए चुना है, उस पर निरंतर चलना चाहिए। हमें परेशानियों से डरकर अथवा निराश होकर आँसू बहाते हुए नहीं बैठे रहना चाहिए। हमें जीवन की परेशानियों और दुखों का सामना करते हुए आगे बढ़ते रहना चाहिए।

(ख) 'डूबे बिना नहानेवालों' में कवि ऐसे लोगों की ओर इशारा कर रहे हैं जो चाहते हैं कि बिना किसी परेशानी के ही उन्हें सब कुछ हासिल जाए। कवि उनसे कह रहे हैं कि हमें बिना संघर्ष किए कभी भी जीवन में सफलता नहीं मिल सकती।

(ग) 'लौ की आयु घटानेवालों' पंक्ति के माध्यम से कवि कह रहे हैं कि वे लोग जो हमेशा अंधकार लाना चाहते हैं, बाधा बनकर अच्छे कामों में अड़चन डाल देते हैं, उनके ऐसा करने से भी समाज में कोई बड़ा परिवर्तन नहीं आता।

(घ) पतझड़ के कोशिश करने पर उपवन नहीं मरता है क्योंकि उपवन जीवन के प्रति आशावादी होता है। उसे अपने पुनः हरा-भरा होने का पूर्ण

विश्वास होता है। पतझड़ केवल कुछ समय के लिए उपवन की सुंदरता को नष्ट कर पाता है उपवन को नष्ट नहीं करता, वह कुछ समय के बाद पुनः वैसा ही सुंदर और हरा-भरा हो जाता है।

(ङ) जो लोग सदा मन में दूसरों के लिए नफरत लिए रहते हैं, उनके लिए कवि का संदेश है कि ऐसे लोग सदा दूसरों की निंदा करते हैं, पर इससे वास्तविकता नहीं छिपती। कुछ लोगों के नाराज हो जाने से जीवन का सच खत्म नहीं हो सकता।

4. कविता की निम्नलिखित पंक्तियों के भाव स्पष्ट कीजिए–

(क) प्रस्तुत पंक्तियों का भाव यह है कि परिस्थितियों से रूठकर या हारकर बैठ जाना समस्या का हल नहीं होता। यदि कमीज फट जाए तो उसे सिला लेना पड़ता है, फेंक नहीं दिया जाता। हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि आँगन में जलते दीपों में से यदि कुछ दीप बुझ जाएँ तो भी बाकी दीप आँगन में अपना प्रकाश फैलाते रहते हैं।

(ख) प्रस्तुत पंक्तियों का भाव यह है कि पनघट पर पानी भरनेवालों का हमेशा आना-जाना लगा रहता है। जाने कितनी गगरियाँ वहाँ आए दिन टूटती रहती हैं, परंतु पनघट उनका कभी शोक नहीं मनाता। वहाँ की चहल-पहल पर कोई फर्क नहीं पड़ता।

(ग) प्रस्तुत पंक्तियों का भाव यही है कि वस्त्रों को बदलना तथा हमारी गतिविधियों में बदलाव प्राकृतिक रूप से घटित होता है और यदि बचपन में हमारे खिलौनों में से कुछ खिलौने टूट भी जाते हैं तो हमारा बचपन वैसे का वैसा ही बना रहता है अर्थात हमारा बचपन खत्म नहीं होता।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित अनेकार्थी शब्दों के अलग-अलग अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए–

(क)	हल	खेत में प्रयोग आने वाला औजार	किसान खेत में हल चला रहा है।
		समाधान	भगवान के पास हमारी हर समस्या का हल है।

(ख)	मत	नहीं	दूसरों के लिए कभी भी गलत मत बोलो।
		मतदान देना	भारतीय जनता पार्टी भारी मतों से जीत गई।
(ग)	कुल	वंश, खानदान	भगवान राम ने अपने कुल की मर्यादा का मान रखा।
		जोड़	कुल बीस आदमी बस में सवार थे।
(घ)	उत्तर	एक दिशा	मंदिर से उत्तर की ओर एक नदी बह रही है।
		जवाब	मैंने अध्यापिका के पूछे हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दिए।
(ङ)	कर	टैक्स	हम अपनी आय का एक हिस्सा कर के रूप में देते हैं।
		कुछ करना	अपना काम कर लो।
(च)	हार	एक आभूषण	माँ ने दीदी की शादी के लिए नया हार लिया।
		पराजय	महाभारत के युद्ध में कौरवों की हार हुई।

2. निम्नलिखित तत्सम शब्दों के तद्भव रूप लिखिए–

तत्सम	**तद्भव**	**तत्सम**	**तद्भव**
अश्रु	आँसू	नयन	आँख
कर्पट	कपड़ा	श्रावण	सावन
कर्म	काम	निद्रा	नींद
मौत	मृत्यु	दीपक	दीया
पुष्प	फूल	दिवस	दिन

3. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

नयन– आँख, नेत्र, चक्षु

रात– रजनी, निशा, रात्रि

दिवस–वार, दिन, दिवा

तम– अंधेरा, अंधकार, तिमिर

उपवन– बाग, बगीचा, वाटिका

फूल–पुष्प, सुमन, कुसुम

4. वचन बदलिए–

गगरी	–	गगरियाँ	पोथी	–	पोथियाँ
किश्ती	–	किश्तियाँ	आँख	–	आँखें
खिलौना	–	खिलौने	माला	–	मालाएँ

5. कविता में प्रयुक्त विशेषण-विशेष्य के जोड़े चुनकर लिखिए।

विशेषण	**विशेष्य**	**विशेषण**	**विशेष्य**
कुछ	सपनों	कच्ची	नींद
गीली	उमर	कुछ	पानी
रुठे	दिवस	फटी	कमीज़
कुछ	दीयों	चंद	खिलौनों
कुछ	मुखड़ों		

13 नमक का दरोगा

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (स) आज्ञाकारी
(ख) (स) लक्ष्मी पर
(ग) (अ) मैनेजर
(घ) (ब) छह हजार रुपए वार्षिक

2. रिक्त स्थान भरिए–

(क) ओहदे
(ख) कानाफूसी
(ग) उमंग
(घ) स्तंभित
(ङ) कर्तव्यपरायणता

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) लोग पटवारी का सम्मानित पद छोड़ रहे थे क्योंकि वे नमक के विभाग में प्रवेश लेने के लिए तथा दारोगा पद पाने के लिए ललचा रहे थे।

(ख) क्योंकि जब अचानक उनकी आँख खुली तो नदी के प्रवाह की जगह उन्हें गाड़ियों की गड़गड़ाहट तथा मल्लाहों का शोर सुनाई दिया। इसलिए दरोगा जी को ऐसा लगा कि कुछ गोलमाल है।

(ग) 'इज्जत धूल में मिल जाएगी।' पंडित अलोपीदीन ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि वंशीधर ने उन्हें हिरासत में ले लिया था तथा उनका चालान काटने की बात कर रहा था। पंडित अलोपीदीन की जिदंगी में यह पहला अवसर था कि उन्हें ऐसी कठोर बातें सुनने को मिल रही थी।

(घ) अधिकारी वर्ग, उनके भक्त, उनके सेवक, वकील-मुख्तार, उनके आज्ञापालक और अर्दली, चपरासी तथा चौकीदार पंडित अलोपीदीन के गुलाम थे।

(ङ) पंडित अलोपीदीन की दृष्टि में वंशीधर की सबसे बड़ी योग्यता उनका बेमुरौवत, उद्दंड, कठोर परंतु धर्मनिष्ठ व्यवहार था।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) वंशीधर के पिता ने उन्हें रोजगार की खोज में जाते समय शिक्षा दी कि नौकरी में ओहदे की ओर ध्यान मत देना। ऐसा काम ढूँढ़ना जहाँ कुछ ऊपरी आय हो। मासिक वेतन तो पूर्णमासी का चाँद है, जो एक दिन दिखाई देता है और घटते-घटते लुप्त हो जाता है। ऊपरी आय बहता हुआ स्रोत है, जिससे सदैव प्यास बुझती है।

(ख) पंडित अलोपीदीन का लक्ष्मी पर अखंड विश्वास था।' इस कथन का आशय यह है कि वह समझते थे कि लक्ष्मी (धन) की सहायता से वह किसी को भी अपने अधीन कर सकते हैं।

(ग) डिप्टी मजिस्ट्रेट ने फैसला सुनाया कि पंडित अलोपीदीन के विरुद्ध दिए गए प्रमाण निर्मूल और भ्रमात्मक हैं। वह एक बड़े भारी व्यापारी हैं। वह थोड़े लाभ के लिए ऐसा काम न करेंगे। यद्यपि नमक के दरोगा मुंशी वंशीधर का अधिक दोष नहीं, लेकिन यह बड़े खेद की बात है कि उसकी विचारहीनता के कारण एक भलेमानुस को कष्ट झेलना पड़ा। वह अपने काम में सजग और सचेत रहता है परंतु नमकहलाली ने उसके विवेक और बुद्धि को भ्रष्ट कर दिया। भविष्य में उसे होशियार रहना चाहिए।

(घ) नौकरी से निकाले जाने पर वंशीधर के परिवार वालों की प्रतिक्रिया बहुत नकारात्मक रही। उनके पिता जी इससे बहुत दुखी थे और वंशीधर को कोस रहे थे। जब वंशीधर वापिस घर पहुँचे तो उनके पिता ने उन्हें

देखकर अपना सिर पीट लिया। उनकी वृद्ध माता को भी दुख हुआ क्योंकि उनकी तीर्थयात्रा की कामना मिट्टी में मिल गई थी।

(ङ) पंडित अलोपीदीन ने वंशीधर की कर्तव्यनिष्ठा और ईमानदारी से प्रभावित होकर उसे अपनी सारी जायदाद का स्थायी मैनेजर बनाया।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए–

(क)	फूला न समाना	बहुत खुश होना	राधा के बेटे की सरकारी नौकरी लगने पर वह फूली न समायी।
(ख)	सिर पीट लेना	शोक करना	सुखिया के घर चोरी हो जाने पर वह सिर पीट रहा था।
(ग)	पौ बारह होना	खूब लाभ प्राप्त होना	रामलाल के बेटे की शादी में बहुत दहेज आया है और बहू भी सरकारी नौकरी वाली है, उसके तो पौ बारह हो गए हैं।
(घ)	मन का मैल धुलना	प्रायश्चित करना	मन का मैल धुल जाने से कई लोगों के बीच की दूरी खत्म हो जाती है।
(ङ)	सिर माथे पर रखना	आन करना	सुनीता अपने दामाद को सिर-माथे रखती है।

2. निम्नलिखित सामासिक शब्दों का समास-विग्रह कीजिए–

सामासिक शब्द	**समास-विग्रह**	**सामासिक शब्द**	**समास-विग्रह**
देवदुर्लभ	देवों में दुर्लभ	दिन-रात	दिन और रात
हृष्ट-पुष्ट	हृष्ट और पुष्ट	धर्मपरायण	धर्म में परायण
कर्तव्यपरायण	कर्तव्य में परायण	हथकड़ी	हाथ की कड़ी
धर्मनिष्ठ	धर्म में निष्ठ	छल-प्रपंच	छल और प्रपंच

3. निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थान पर उचित विराम-चिह्न का प्रयोग कीजिए–

(क) बेटा! घर की दुर्दशा देख रहे हो।

(ख) मुंशी जी ने पूछा, ''गाड़ियाँ कहाँ जाएँगी?''

(ग) धन ने उछल-उछलकर आक्रमण करने शुरू किए।

(घ) जो आज्ञा होगी, वह मेरे सिर-माथे पर।

(ङ) छह हजार वार्षिक वेतन के अतिरिक्त रोज़ाना खर्च, अलग सवारी के लिए घोड़ा, रहने को बंगला, नौकर-चाकर मुफ्त।

4. संधि विच्छेद कीजिए–

सज्जन = सत् + जन	संदेह = सम् + देह
आशीर्वाद = आशीः + वाद	उज्ज्वल = उत् + ज्वल
प्रतिष्ठित = प्रति + स्थित	निस्संतान = निः + संतान

14 पिता के नाम

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (स) पुत्र ने अपने पिता को

(ख) (ब) उनसे इंटरनेट पर चैट करने के लिए

(ग) (स) (अ) व (ब) दोनों

(घ) (स) (अ) व (ब) दोनों

2. सत्य/असत्य लिखिए–

(क) असत्य (ख) सत्य (ग) सत्य

(घ) असत्य (ङ) सत्य

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) लेखक ने अपने पिता की लिखावट की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके लिखे अक्षर सत्तर साल की उम्र में भी वैसे ही गोल-गोल मोतियों जैसे हैं, जैसे पहले होते थे।

(ख) लेखक को अपने पिता जी पर गर्व है क्योंकि उसे उनके जैसा पिता मिला, जिसने उसे बचपन में गहरी जड़ें दीं और जब वह बड़ा हुआ तो उसे पंख दिए।

(ग) लेखक के पिता जी ने उसे प्रेरित किया कि वह अपनी आँखों से सपने देखे, दूसरों की आँखों से नहीं।

(घ) दादा जी के अनुसार 'बुरे लोग भूतों से ज्यादा खतरनाक होते हैं क्योंकि वे पेड़ काट देते हैं। जंगल उजाड़ देते हैं। नदी-नाले गंदे कर देते हैं। इंसानों और पशु-पक्षियों को मार डालते हैं।

(ङ) लेखक को अपने पिता जी का साथ होना ऐसा लगता था जैसे सिर पर किसी बड़े बुर्ज़ुग का साया है।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) लेखक ने अपने पिता की प्रत्येक चिट्‌ठी को संभालकर रखा है क्योंकि ये चिट्‌ठियाँ लेखक की धरोहर हैं और विरासत हैं। भाग-दौड़ भरे जीवन के संघर्षों में वह कभी अकेला या कमज़ोर पड़ने लगता है तो इन चिट्‌ठियों को खोलकर पढ़ लेता है तो उसे बड़ा संबल मिलता है।

(ख) 'बचपन में आपने मुझे छोटी-छोटी खुशियाँ दीं।' लेखक ने इस कथन में उन खुशियों की बात कही हैं जिसमें वह बचपन में जो हलवाई की दुकान पर गरम-गरम जलेबियाँ और समोसे खाता था, तथा रविवार को रामबाग में गुब्बारे उड़ाता था। झूलों पर झूलता था तथा तितलियाँ पकड़ता था। इंद्रधनुष देखकर किलक करता था। चिड़ियाघर में जीव-जंतु देखकर चहकता था। पतंगें उड़ाता था और कंचे खेलता था। जुगनुओं के पीछे भागता था तथा कबूतरों को दाना डालता था। हर फूल को, कली को सहलाता था। कुत्ते-बिल्लियों के बच्चों को पुचकारता था और उसका पिता उसकी हर खुशी में उसका संगी, दोस्त और राज़दार होता था। रोज़ सुबह कैंपस में सैर करने जाना, छुट्‌टीवाले दिन बागवानी करना, पिता संग आलू, गोभी, गाजर, मूली, टमाटर और हरी मिर्च उगाना भी उन खुशियों में शामिल है।

(ग) लेखक ने अपने पुत्र को नई जेनरेशन का लड़का इसलिए कहा है क्योंकि उसे कंप्यूटर-गेम्स अच्छे लगते हैं। वह केबल टी.वी. देखकर बड़ा हो रहा है। वह मोबाइल फ़ोन पर बात करने का शौकीन है। वह 'कार्टून चैनल' देखना पसंद करता है। उसे बर्गर, फिंगर-चिप्स और पिज़्ज़ा अच्छे लगते हैं। उसे हिंदी में एक से सौ की गिनती 'डिफ़ीकल्ट' लगती है और वह उनासी और नवासी में 'कन्फ्यूज़' हो जाता है और वह 'इंपोर्टेड' चीजों का दीवाना है।

(घ) लेखक की इच्छा अपने पुत्र को उसके परदादा के गाँव ले जाने की है क्योंकि वहाँ वह उसे दिखाते कि यहाँ तेरे पापा के दादा जी रहते थे। उसे गाँव के खेत-खलिहान और भूसे के ढेर दिखाते। गाँव के पास बहती नदी में वह भी मछलियाँ पकड़ता। वह भी गाँव के आम, अमरूद, जामुन और इमली के पेड़ों पर चढ़कर उनके फल खाता। वह अपने पुत्र को गाँव की बोली सिखाता। उसे गाँव के बड़े-बूढ़ों से मिलवाता। उसे गाँव के मंदिर में ले जाता। वह भी गाँव के कुएँ पर नहाता।

(ङ) ''अच्छा हुआ दादा जी पहले चले गए।'' लेखक ने ऐसा इसलिए कहा है क्योंकि उन्होंने गाँव के पास बहती नदी पर बाँध बनने के बाद गाँव को जलमग्न होते हुए नहीं देखा। उन्होने नदी के उस पार उगे घने जंगल को कटते हुए नहीं देखा। उन्होंने अच्छे लोगों के भेस में बुरे लोगों को नहीं देखा। वह यह सब नहीं देख पाते।

व्याकरण-ज्ञान

1. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए–

(क) जिज्ञासा

(ख) अनकही

(ग) अनछुआ

(घ) बागवानी

2. 'अन' तथा 'खूब' उपसर्ग का प्रयोग करके पाँच-पाँच शब्द लिखिए–

'अन' उपसर्ग के शब्द

अनबन, अनपढ़, अनमोल, अनदेखा, अनचाहा

'खूब' उपसर्ग के शब्द

खूबसूरत, खूबियाँ, खूबकला

3. निम्नलिखित वाक्यों में सर्वनाम शब्दों को लिखिए तथा उनका भेद बताइए–

	सर्वनाम	भेद
(क)	आपकी	पुरुषवाचक सर्वनाम
(ख)	आपके	पुरुषवाचक सर्वनाम
	वैसे-जैसे	संबंधवाचक सर्वनाम
(ग)	वह	निश्चयवाचक सर्वनाम

(घ) उसे	पुरुषवाचक सर्वनाम
(ङ) खुद	निजवाचक सर्वनाम
(च) उसने	पुरुषवाचक सर्वनाम
(छ) खुद	निजवाचक सर्वनाम

15 सुदामा चरित

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (ब) दयनीय दशा (ख) (स) अपने आँसुओं से

(ग) (अ) अपनी पत्नी की जिद पर (घ) (स) भव्य महल

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) सुदामा अपने मित्र श्रीकृष्ण से जिस समय मिलने द्वारिका गए थे, उस समय न तो उनके सिर पर पगड़ी थी और न ही शरीर पर कुर्ता था। वह जगह-जगह से फटी हुई धोती और गमछा पहने हुए थे। उनके पैरों में जूते भी नहीं थे।

(ख) श्रीकृष्ण ने सुदामा के पैर धोने के लिए हाथ बढ़ाया और सुदामा के पैरों में फटी बिवाइयाँ तथा काँटों का जाल देखा तो उनके ऐसे दुख को उन्होंने महादुख कहा है।

(ग) सुदामा कृष्ण से मिलकर घर लौटते समय निराश इसलिए होते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि श्रीकृष्ण ने उनकी खातिरदारी तो खूब की लेकिन कृष्ण ने उनकी आशानुरूप सहायता नहीं की और उन्हें खाली हाथ ही लौटा दिया।

(घ) सुदामा को अपने गाँव वापिस पहुँचने पर सब कुछ बदला-बदला सा इसलिए दिखता है क्योंकि उनका गाँव द्वारिका की भाँति ही भव्य दिखाई देने लगा था।वहाँ द्वारिका जैसे ही राजभवन सुख, समृद्धि, हाथी-घोड़े आदि दिख रहे थे।

(ङ) सुदामा को अपनी टूटी-फूटी झोंपड़ी के स्थान पर भव्य महल दिखा।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) सुदामा की दीनदशा को देखकर दुख के कारण श्रीकृष्ण की आँखों से आँसू बहने लगे। उन्होंने सुदामा के पैरों को धोने के लिए पानी मँगवाया परंतु उनकी आँखों से इतने आँसू निकले कि उन्हीं आँसुओं से सुदामा के पैर धुल गए।

(ख) द्वारिका जाते समय सुदामा की पत्नी ने कृष्ण के लिए उपहारस्वरूप थोड़े-से चावल एक पोटली में बाँधकर दिए थे। जब सुदामा ने वहाँ पहुँचकर कृष्ण का शाही वैभव तथा एशो-आराम देखा तो उन्होंने कृष्ण जैसे बड़े राजा को थोड़े-से चावलों जैसा तुच्छ उपहार देना उचित न समझा। इसलिए वह अपने साथ लाए उपहार को श्रीकृष्ण को देने में संकोच कर रहे थे।

(ग) द्वारिका से वापिस लौटते समय सुदामा कृष्ण के व्यवहार से इसलिए खींझ रहे थे क्योंकि उन्हें आशा थी कि श्रीकृष्ण उनकी दरिद्रता दूर करने के लिए धन-दौलत देकर विदा करेंगे परंतु श्रीकृष्ण ने उन्हें चोरी का उलाहना देकर खाली हाथ ही वापस भेज दिया।

(घ) अपने गाँव आकर सुदामा यह सोच रहे थे कि कहीं वह मार्ग भूलकर वापिस द्वारिका तो नहीं आ गए क्योंकि जब वह वापिस अपने गाँव आए तो उन्हें वहाँ सब कुछ बदला-बदला नज़र आ रहा था। उन्हें वहाँ द्वारिका जैसे ही राजभवन, सुख-समृद्धि, हाथी, घोड़े आदि दिख रहे थे। उन्हें अपनी झोंपड़ी के स्थान पर भव्य महल दिखाई देता है।

(ङ) श्रीकृष्ण ने सुदामा की प्रत्यक्ष मदद क्यों नहीं की क्योंकि वह नहीं चाहते थे कि सुदामा के मन में हीनता की भावना उत्पन्न हो और न ही वह सुदामा को अपनी नज़रों में नीचा दिखाना चाहते थे।

4. निम्नलिखित पदों का भावार्थ लिखिए–

(क) **भावार्थ–** कृष्ण अपने मित्र सुदामा को ताना मारते हुए कहते हैं कि जैसे उसे बचपन में उनकी गुरु माँ द्वारा दिए चने उसे न देकर खुद खा लिए थे, वैसे ही वह अब भी उनके तोहफे को उन्हें नहीं दे रहे हैं। वह चोरी करने में कुशल हो गये हैं। कृष्ण जी कहते हैं कि वह पोटली छिपा रहे हैं। उसे निकालकर क्यों नहीं देते, उसमें से सुगंधित अमृत की खुशबू आ रही है। उनकी पिछली आदत नहीं छूटी है जो उनकी भाभी द्वारा भेजा तोहफा छिपा रहे हैं।

(ख) **भावार्थ**–सुदामा ने अपने गाँव में जाकर देखा कि वहाँ द्वारिका जैसा ही ठाठ-बाट है, वैसा ही राज-समाज है। वहाँ उसी प्रकार के हाथी-घोड़े थे, जैसा द्वारिका में थे। इससे उनके मन में भ्रम छा गया। सुदामा को लग रहा था कि वह भूलकर फिर से द्वारिका ही लौट आए हैं। वह शायद रास्ता भूल गए हैं। वहाँ भी द्वारिका जैसे भव्य महल बने हुए थे। सुदामा के मन में उन भवनों को देखने का लालच आ रहा था। यही सोचकर वह गाँव के बीच में चले गए। वहाँ जाकर सुदामा ने सभी से अपनी झोंपड़ी के बारे में पूछा पर वह अपनी झोंपड़ी को खोज नहीं पाए। वास्तव में उनकी झोंपड़ी के स्थान पर श्रीकृष्ण की कृपा से भव्य महल दिखाई दे रहे थे। उनका पूरा गाँव ही अलौकिक आभा से चकाचौंध हो रहा था जिनके कारण सुदामा भ्रमित हो रहे थे। श्रीकृष्ण ने उनकी बिना बताए ही सहायता कर दी थी।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित ब्रजभाषा के शब्दों का हिंदी अर्थ लिखिए–

द्विज–दुर्बल	चाबि–चबाना	खड़ो–खड़ा है
हरि–कृष्ण	कंटक–काँटा	धरौ-रखना
कछु–कुछ	धाम–महल	झोंपरी–झोंपड़ी
परताप–कृपा से	पोटरी–पोटली	पगा-पगड़ी

2. निम्नलिखित पदों में प्रयुक्त अलंकारों के नाम लिखिए–

(क) अनुप्रास अलंकार

(ख) अतिशयोक्ति अलंकार

(ग) मानवीकरण अलंकार

(घ) अतिशयोक्ति अलंकार

3. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

सखा–मित्र, दोस्त, साथी	कृष्ण–श्याम, हरि, गोविंद
पानी–जल, नीर, वारि	पग–पैर, पाँव, कदम
भूमि–भू, ज़मीन, धरती	रात–रात्रि, रजनी, निशा

4. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

शब्द	**विलोम शब्द**	**शब्द**	**विलोम शब्द**
दुख	सुख	कठोर	कोमल
दुर्बल	सबल	थोड़ा	ज्यादा
मित्र	शत्रु	बेहाल	आबाद
आदर	अनादर	रात	दिन

5. निम्नलिखित शब्दों को तत्सम व तद्‌भव की उचित श्रेणी में लिखिए–

तत्सम–दुर्बल, पग, गोपाल, कठोर

तद्‌भव– सीस, काज, नैन, चना, पानी, दुख, दही, नींद, रात, गाँव

16 साइकिल की सवारी

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (स) साइकिल चलाना सीखने का ख्याल

(ख) (स) ताँगे के खर्च से (ग) (अ) उस्ताद जी

(घ) (अ) आठ-नौ दिन में (ङ) (स) ताँगे से

2. सत्य/असत्य लिखिए—

(क) असत्य (ख) असत्य (ग) सत्य

(घ) सत्य (ङ) असत्य

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) साइकिल चलाना सीखने के लिए लेखक ने अनेक तैयारियाँ कीं, उन्होंने फटे-पुराने कपड़ों की मरम्मत करवायी, अपने लिए एक उस्ताद अर्थात गुरु ढूँढा जो उन्हें साइकिल चलाना सिखाते, मरहम के दो डिब्बे खरीदे, तथा पड़ोस के एक मिस्त्री से साइकिल भी माँग ली।

(ख) लेखक ने साइकिल चलाना सीखने के लिए फटे-पुराने कपड़ों की मरम्मत इसलिए करवाई क्योंकि साइकिल चलाना सीखने में बार-बार गिरने पर

नए कपड़े फट जाते हैं तो इस प्रकार पुराने कपड़े पहने हुए साइकिल से गिरने पर यदि वे फट भी जाएँ तो कोई नुकसान नहीं होगा।

(ग) लेखक ने अपनी पत्नी को यह शुभ समाचार सुनाया कि कुछ दिनों के बाद वह एक ऐसा साइकिल प्रशिक्षण विद्यालय खोलने वाले हैं, जिसमें तीन-चार सौ रुपए महीने की आमदनी होगी।

(घ) लेखक ने साइकिल चलाना सीखने के लिए मैदान को उपयुक्त इसलिए माना क्योंकि वहाँ की भूमि नरम थी जिससे चोट कम लगती तथा वहाँ उन्हें कोई देखता भी नहीं।

(ङ) लोग लेखक पर इसलिए हँस रहे थे क्योंकि उन्होंने जल्दी और घबराहट में पज़ामा और अचकन दोनों उलटे पहन लिए थे।

(च) लेखक ने तिवारी जी की बात सुनने के लिए साइकिल इसलिए नहीं रोकी क्योंकि लेखक को साइकिल चलाते समय दूर से ही कोई आदमी या गाड़ी दिखाई दे जाती थी तो उनके प्राण सूख जाते थे तथा यदि वह साइकिल से उतर जाते थे तो उन्हें साइकिल पर चढ़ाने के लिए किसी व्यक्ति की आवश्यकता पड़ती थी।

(छ) ''हमने सोचा, लाओ, सारा इल्ज़ाम तिवारी पर ही लगा दें और आप साफ बच जाएँ।'' लेखक के ऐसा सोचने के पीछे यह कारण था कि उनका अपनी पत्नी और बच्चों के सामने मज़ाक न बने कि वह अच्छे से साइकिल नहीं संभाल पाए और गिर गए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) लेखक को साइकिल चलाना सीखने का ख्याल इसलिए आया क्योंकि उन्हें ऐसा लगता था कि वह सब कुछ कर सकते हैं मगर साइकिल चलाना नहीं सीख पा रहे जिसे कि छोटे बच्चे तथा मूर्ख और गँवार लोग भी चला पा रहे हैं लेखक ने सोचा कि वह तो परमात्मा की कृपा से पढ़े-लिखे भी हैं तो उन्होंने निश्चय किया कि कुछ भी हो जाए पर साइकिल चलाना जरूर सीखेंगे।

(ख) लेखक साइकिल चलाना सीखने की बात को रहस्य रखना चाहते थे, पर उन्हें अपनी पत्नी को यह रहस्य बताना पड़ा क्योंकि उन्हें अपनी पत्नी से फटे कपड़ों की मरम्मत करवानी थी।

(ग) लेखक ने साइकिल प्रशिक्षण विद्यालय खोलने को लेकर यह सोच लिया कि यदि वह एक साइकिल प्रशिक्षण विद्यालय खोल लेंगे तो तीन-चार सौ रुपए मासिक कमाने लगेंगे।

(घ) साइकिल चलाना सीखने से पहले लेखक को सपने आ रहे थे कि वह साइकिल से गिरकर जख्मी हो गए हैं। दूसरी बार उन्होंने सपना देखा कि वह साइकिल पर सवार हैं। साइकिल अपने आप हवा में चल रही है और लोग उनकी तरफ आँखें फाड़-फाड़कर देख रहे हैं।

(ङ) साइकिल चलाना सीखने के पहले दिन लेखक घर से निकले ही थे कि बिल्ली रास्ता काट गई और एक लड़के ने छींक दिया। लेखक को उन दोनों पर बहुत गुस्सा आया। लेखक भगवान का नाम लेकर आगे बढ़े ही थे कि देखा बाज़ार में हर कोई उन्हें देखकर हँस रहा था क्योंकि उन्होंने जल्दी-जल्दी में पज़ामा और अचकन उल्टे पहन लिए थे। इस पर लेखक उस्ताद से माफी माँगकर घर लौट आए। दूसरे दिन, रास्ते में उस्ताद लस्सी पीने रुक गए तो लेखक ने साइकिल के पुरजों की ऊपर-नीचे से परीक्षा शुरू कर दी और हैंडल पकड़कर चलने लगे परंतु साइकिल पूरे ज़ोर से उनके पाँव पर गिर गई। सबने मिलकर उनका पाँव साइकिल से निकाला। लेखक ज़ख्मी हो गए और लँगड़ाते हुए घर लौट आए तथा साइकिल ठीक होने के लिए मिस्त्री की दुकान पर भेज दी।

(च) 'मगर बुरा समय आता है तो बुद्धि पहले ही भ्रष्ट हो जाती है।' लेखक ने ऐसा इसलिए कहा है क्योंकि साइकिल चलाते समय उनके सामने ताँगा आ जाने पर वह साइकिल को संभाल नहीं सके और साइकिल सहित ताँगे के नीचे आ गए। उन्हें ख्याल आया कि वह साइकिल का हैंडल घुमाकर अपने आप को बचा भी सकते थे परंतु उस समय उन्होंने अपनी बुद्धि का प्रयोग नहीं किया और चोट लगवा ली।

(छ) साइकिल चलाते-चलाते लेखक की टक्कर एक ताँगे से हुई जिसमें उनकी पत्नी उसके बच्चों के साथ घूमने निकली थीं। इसका यह परिणाम निकला कि लेखक अपनी साइकिल सहित तांगे के नीचे आ गए और बेहोश हो गए। लेखक के पट्टियाँ बँधी और उन्होंने फिर कभी साइकिल को हाथ न लगाने की कसम खायी।

व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए–

	शब्द	अर्थ	वाक्य
(क)	झख मारना	खाली बैठना	महेश की जब से नौकरी छूटी है तब से वह सारा दिन झख मारता फिरता है।
(ख)	दिल पसीजना	दया आना	छोटे बच्चे को सड़क पर रोते देखकर मेरा दिल पसीज गया।
(ग)	कच्ची गोलियाँ खेलना	अनुभव की कमी	राघव ने कोई कच्ची गोलियाँ नहीं खेली, हैं, वह व्यापार को मुनाफे की ओर ले जा रहा है।
(घ)	दाँत पीसकर रह जाना	क्रोधित होते हुए भी अपने पर संयम रखना	बहू-बेटे को झगड़ते देखकर भी सविता को दाँत पीसकर रह जाना पड़ा।
(ङ)	सिर मुँड़ाते ओले पड़ना	शुरू में ही विघ्न पड़ना	सिर मुँडाते ही ओले पड़ने से हिम्मत टूट जाती है।
(च)	फूला न समाना	बहुत खुश होना	बहुत दिनों के बाद अपने बचपन के मित्र को देखते ही रवीना फूली न समायी।
(छ)	प्राण सूख जाना	बुरी तरह से डर जाना	पुलिस को अपने सामने देखकर बदमाशों के प्राण सूख गए।
(ज)	हाथ-पैर फूलना	घबरा जाना	चुनाव के नतीजे देखकर विपक्षी दल के हाथ पैर फूल गये।
(झ)	चकमा देना	धोखा देना	चोर पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया।
(ञ)	जान में जान आना	चैन की साँस लेना	राम का खोया हुआ सामान वापिस मिल जाने पर उसकी जान में जान आ गयी।

2. ऊपर लिखित वाक्यों में मोटे छपे शब्द पूर्वकालिक क्रियाएँ हैं। इसी प्रकार, पूर्वकालिक क्रिया का प्रयोग करके पाँच वाक्य लिखिए।

(क) माँ ने नहाकर पूजा की।

(ख) चोर सामान चुराकर भाग गया।

(ग) बच्चा रोकर सो गया।

(घ) छात्र परीक्षा देकर खेलने चले गए।

(ङ) राधा खाना खाकर पढ़ेगी।

3. उचित स्थान पर उचित विराम चिह्न का प्रयोग कीजिए–

(क) पहले बताओ, इनका क्या बनेगा?

(ख) अरे साहब! क्या यह तिवारी मर गया है?

(ग) कई बार गिरे, कई बार शहीद हुए।

(घ) भई, ज़रा बाईं तरफ़! हम नए चलाने वाले हैं।

(ङ) क्यों? अब क्या हाल है?

4. रिक्त स्थानों में उचित सर्वनाम शब्द भरिए–

(क) **तुम** चलो, **हम** दूसरे ताँगे में आते हैं।

(ख) पड़ोस में जो मिस्त्री रहता है, **उससे** साइकिल भी माँग ली है।

(ग) **मैं** तो चाहती हूँ कि **तुम** हवाई जहाज़ चलाओ।

(घ) **कोई** आदमी बताओ।

(ङ) **आप** जरा साइकिल को थामिए।

(च) **किसी** को कानों-कान खबर न हो।

17 पौधों की पीढ़ियाँ

अभ्यास

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (स) बरगद (ख) (स) (अ) और (ब) दोनों

(ग) (ब) बदकिस्मत (घ) (ब) बिना पत्तों या शाखाओं का वृक्ष

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) सुशील और विनम्र पौधों ने अपने आपको सौभाग्यशाली माना है।

(ख) दूसरी पीढ़ी के पौधे असंतुष्ट और रुष्ट प्रवृत्ति के थे।

(ग) 'एक बड़े बरगद की छत्रछाया के नीचे' पंक्ति में 'छत्रछाया' का अर्थ है– छाते के समान सुरक्षा देने वाला आश्रय।

(घ) दूसरी पीढ़ी के पौधों ने अपने आपको बदकिस्मत कहा है क्योंकि उन्हें लगता है कि वे जीवन में आने वाले खतरों का सामना नहीं कर पा रहे तो वे जीवन में उन्नति नहीं कर पाएँगे।

(ङ) तीसरी पीढ़ी के पौधे उद्दंड प्रवृत्ति के थे।

(च) तीसरी पीढ़ी के पौधे बरगद की डाली को इसलिए काटना चाहते हैं क्योंकि उन्हें छोटा रखकर वह बड़ा बना है और उसने उन्हें ऊपर उठने नहीं दिया है।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) कवि ने पौधों की पीढ़ियाँ कविता की तुलना समाज की पुरानी और नई पीढ़ी से की है। कवि ने दोनों पीढ़ियों की विचारधारा के अंतर को स्पष्ट किया है। प्राचीन समय में बुजुर्गों की छत्रछाया को वरदान माना जाता था, जो आज अभिशाप बन गई है।

(ख) पहली पीढ़ी के पौधों ने अपने आपको सौभाग्यशाली कहा है क्योंकि उन्हें लगता है कि वे बड़े बरगद के पेड़ की छत्रछाया के नीचे समस्त विपत्तियों से सुरक्षित हैं।

(ग) ऊपर लिखित पंक्तियों में 'बड़े' शब्द बरगद के वृक्ष के लिए और 'बौना' शब्द छोटे-छोटे पौधों के लिए प्रयुक्त हुए हैं। बड़े ने छोटों को बौना इसलिए बना रखा है क्योंकि बड़े छोटों के जीवन में आने वाली मुश्किलों का सामना उन्हें स्वयं नहीं करने देते और उन्हें उन मुश्किलों से बचाकर रखते हैं, जिससे उन्हें लगता है कि वे छोटे ही रह जाएँगे और ऊपर नहीं उठ पाएँगे।

(घ) तीसरी पीढ़ी के पौधे-बरगद के पेड़ के अग्रज बनना चाहते हैं क्योंकि उन्हें ऐसा लगता है कि यदि वे बरगद के पेड़ से पहले जन्म लेते तो वे आयु में उससे बड़े और उसके दादा कहलाते। इस प्रकार वे बरगद के वृक्ष पर छा जाते और उसका जुल्म नहीं सहते।

(ङ) तीसरी पीढ़ी के पौधे काँटों की आरी की कुल्हाड़ी तैयार करने की बात कर रहे हैं। वे इसका उपयोग बरगद की प्रत्येक डाली को काटने के लिए करना चाहते हैं ताकि वह केवल ठूँठ रह जाए।

4. कविता की निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए–

(क) **भावार्थ–** बड़े बरगद के पेड़ की छत्र-छाया में रहने वाले छोटे-छोटे सुशील पौधे अपने आप को सौभाग्यशाली समझते हैं जो उन्हें इस बड़े पेड़ का संरक्षण मिला है। उन्हें किसी प्रकार की चिंता नहीं है क्योंकि आसमान से चाहे आग बरसे, चाहे पानी बरसे अर्थात गर्मी का मौसम हो या वर्षा ऋतु हो, चाहे आंधी आए या तूफान आए। सब मुसीबतें बरगद का पेड़ अपने ऊपर झेल लेता है। उसकी छाया में सुशील पौधे निश्चिंत और सुखी हैं।

(ख) **भावार्थ**–छोटे पेड़-पौधे कहते हैं कि यह बरगद का वृक्ष हमें छोटा करके स्वयं बड़ा बन गया है। वे कहते हैं कि यदि हम इस बरगद के पेड़ से पहले जन्म लेते तो हम इससे आयु में बड़े होते और हम इसके दादा कहलाते और इस पर छा जाते।

व्याकरण-ज्ञान

1. उचित कारक-चिह्नों का प्रयोग करके रिक्त स्थान भरिए–

(क) आसमान **से** पानी बरस रहा है।

(ख) बड़े बरगद **की** छाया **के** नीचे हमने आराम किया।

(ग) एक बड़ा बरगद **का** पेड़ खड़ा है।

(घ) बड़े पेड़ **की** छाया **ने** हमें बौना बना दिया है।

(ङ) काँटों की कुल्हाड़ी **से** बरगद **की** डाली काटेंगे।

2. 'सुशील' शब्द में 'सु' उपसर्ग का प्रयोग हुआ है तथा 'विनम्र' शब्द में 'वि' उपसर्ग का प्रयोग हुआ है। इसी प्रकार, 'सु' तथा 'वि' उपसर्ग का प्रयोग करके पाँच-पाँच शब्द लिखिए।

'सु' उपसर्ग– सुकुमार, सुपुत्र, सुलभ, सुगंध, सुकन्या

'वि' उपसर्ग–विकल, विनाश, विशेष, विकास, विचार।

3. **विलोम शब्द लिखिए–**

शब्द	**विलोम**	**शब्द**	**विलोम**
असंतुष्ट	संतुष्ट	अग्रज	अनुज
रुष्ट	प्रसन्न	समूचा	अंश
सौभाग्यशाली	दुर्भाग्यशाली	दुखी	सुखी
विनम्र	उद्दंड	काँटा	फूल
नीचे	ऊपर		

4. **वचन बदलिए–**

वचन	**बहुवचन**	**वचन**	**बहुवचन**
पौधा	पौधे	डाली	डालियाँ
काँटा	काँटे	कुल्हाड़ी	कुल्हाड़ियाँ
पीढ़ी	पीढ़ियाँ	आरी	आरियाँ

5. **निम्नलिखित वाक्यों को कोष्ठक में दिए गए वाच्य निर्देशानुसार बदलकर लिखिए–**

(क) आसमान द्वारा आग बरसायी जाती है।

(ख) हमसे सुख के दिन बिताए जाते हैं।

(ग) हम काँटों की कुल्हाड़ी तैयार करेंगे।

(घ) छोटे-छोटे कुछ पौधों द्वारा रुष्ट किया गया।

(ङ) हमसे जुल्म नहीं सहा जाएगा।